सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आखिरकार ट्रॉफी को छूने का मौका मिला: सीरीज जीत -पेज: 7 | रुमिणी वसंत ने:कांतारा - चैप्टर 1 को बताया जिंदगी बदल देने वाला अनुभव -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 212 | सोमवार 10 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

देश को बांटने की कोशिश कर रहे भाजपा-आरएसएस, एकजुट कर रहा इंडिया गठबंधन: राहुल गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि देश को बांटने का प्रयास कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा और देश को जोड़ने का संकल्प लिए हुए इंडिया' गठबंधन की विचारधारा के बीच इस समय सीधी लड़ाई है। बिहार के किशनगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी के खून में नफरत है, लेकिन मेरे खून में देश को एकजुट करने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस समाज में डर व घृणा का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, वे चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे से डरें, नफरत करें, ताकि वे सत्ता में बने रहें। गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा वह बिहार

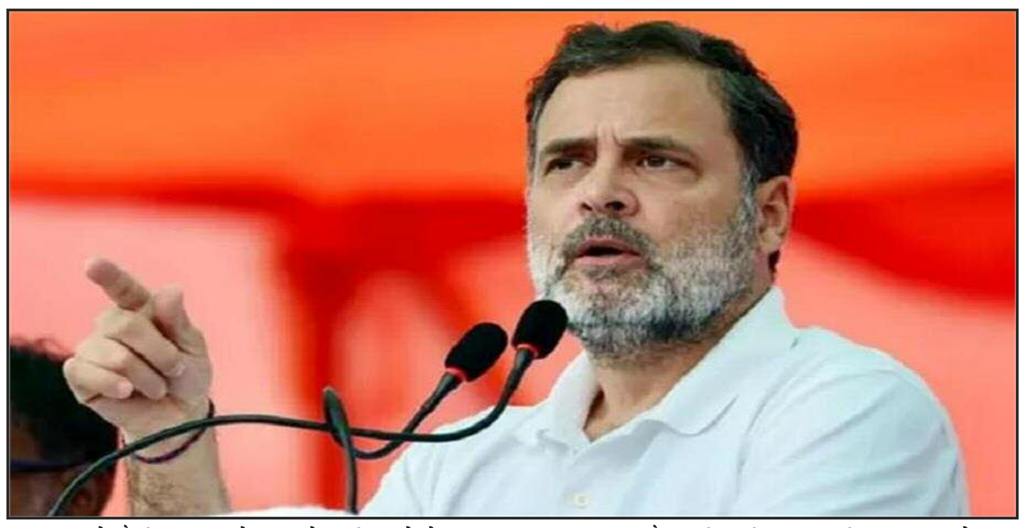

आकर कहते हैं कि यहां उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है। लेकिन जब अदाणी की बात आती है, तो उन्हें जमीन दी जाती है। बिहार में एक भी फूड प्रोसेसिंग यूनिट नहीं है, जबकि यहां के किसानों के पास अपार संभावनाएं हैं। कांग्रेस नेता ने बिहार की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य कभी ज्ञान और शिक्षा का केंद्र था। उन्होंने कहा, नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान था, जहां विदेश से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। आज उसी बिहार को बेरोजगारी, गरीबी और पलायन के लिए जाना जाता है, जो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि देश को बांटने का प्रयास कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा और देश को जोड़ने का संकल्प लिए हुए इंडिया' गठबंधन की विचारधारा के बीच इस समय सीधी लड़ाई है।...

अत्यंत दुखद है। गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ वर्ष के शासनकाल में केवल कुछ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम हुआ है, जबकि आम जनता की स्थिति लगातार खराब हुई है। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि ह्यसबका साथ, सबका विकास', लेकिन सच्चाई यह है कि उनका पूरा ध्यान कुछ गिने-चुने लोगों के विकास पर है। गांधी ने दावा किया कि बिहार की जनता इस बार भाजपा और राजग को करारा जवाब देगी और ह्यइंडिया' गठबंधन को भारी समर्थन मिलेगा। गांधी ने कहा, बिहार के लोग समझ चुके हैं कि विकास केवल नारों से नहीं, नीयत और नीतियों से होता है। गांधी बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले कई जिलों में प्रचार कर रहे हैं। मंच पर कांग्रेस और इंडिया' गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सभा में भारी भीड़ उमड़ी और गांधी के भाषण के दौरान इंडिया जीतेगा' और नफरत छोड़ो, मोहब्बत से जोड़ो' के नारे लगते रहे।

गुजरात एटीएस तीन आतंकियों को पकड़ा, बड़े हमलों को अंजाम देने की फिराक में थे

-सभी आतंकवादी 30 से 35 साल के और पूरी तरह से ट्रेंड, पूछताछ जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश के दुश्मनों द्वारा रची जा रही एक बड़ी आतंकी साजिश को गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने नाकाम कर दिया है। गुजरात एटीएस ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े तीन ट्रेंड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये तीनों आतंकी देशभर में बड़े हमलों को अंजाम देने की फिराक में थे। खुफिया जानकारी के आधार पर एटीएस ने इन आतंकियों को उस वक्त पकड़ा, जब वे गुजरात में हथियार एक्सचेंज करने पहुंचे थे। एटीएस पिछले कई महीनों से इन तीनों संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों पर नज़र रख रही थी, जिसके बाद पुख्ता इनपुट पर यह गिरफ्तारी की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों का देश के अलग-अलग हिस्सों से कनेक्शन सामने आया है। इन तीनों संदिग्धों में से दो आतंकी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आतंकी हैदराबाद का निवासी है। खुफिया सूत्रों का दावा है कि गिरफ्तार सभी आतंकवादी 30 से 35 साल की उम्र के हैं और पूरी तरह से ट्रेंड हैं। इनकी गिरफ्तारी से आईएसआईएस के मॉड्यूल को बड़ा झटका लगा है। यह चिंताजनक है कि आतंकी संगठन देश में नवयुवकों को गुमराह कर उन्हें आतंकवाद के दलदल में धकेलने की साजिशें रच रहे हैं। इससे पहले भी देश में हमले की साजिश रचने वाले कई आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हो चुका है, जिनमें झारखंड की राजधानी रांची से भी कुछ आरोपियों को पकड़ा था। गुजरात एटीएस अब इन तीनों आतंकवादियों से पूछताछ कर उनके पूरे नेटवर्क, फंडिंग और अगले लक्ष्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

मासूम से करना चाहता था दुष्कर्म, विरोध करने पर पूरे शरीर को दांतों से काटा

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत जिले में एक 9 साल की मासूम के साथ 35 साल के वहशी दरिंदे ने पहले बच्ची से अश्लील हरकत की फिर दुष्कर्म का प्रयास किया। वहीं जब मासूम ने विरोध किया तो उसके चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर दांतों से काट लिया। यह मामला कोतवाली बड़ौत क्षेत्र की एक कॉलोनी का बताया जा रहा है। यहां रहने वाली 9 साल की बच्ची को उसकी दादी ने दुकान से सामान लाने भेजा, लेकिन रास्ते में ही हैवान शख्स ने उसे बहलाकर अपने साथ ले गया। सुनसान जगह पर उसने बच्ची के साथ गंदी हरकत की। जब मासूम ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके शरीर को दांतों से काट कर बुरी तरह घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक बच्ची किसी तरह वहां से भागकर और रोती-बिलखती घर पहुंची। जब दादी ने पूछा तो उसने सारी बात बताई, जिससे परिवार के होश उड़ गए। आरोपी समुदाय विशेष का निकला, जिसके बाद मामले ने साम्प्रदायिक रंग ले लिया। हिंदू संगठनों ने घटना की निंदा की। हिंदू संगठन के नेता ने कहा कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं है। मासूम बच्ची के साथ ऐसी दरिंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलाकर रहेंगे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को जिला अस्पताल भेजा, जहां उसका मेडिकल कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

झरने में डूबने से एनआईटी सिलचर के तीन छात्रों की मौत

दीमा हसाओ (एजेंसी)। असम के दीमा हसाओ जिले में स्थित बुलचोल झरने पर घूमने गए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिलचर के तीन छात्रों की डूबकर मौत हो गई। यह हादसा शनिवार अपराह्न हरंगाजाओ क्षेत्र के बोल्सोम बागान के पास हुआ। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के सौहार्द राय (20), सर्ववर्तिका सिंह (20) और बिहार की राधिका (19) के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद राहत टीम ने मौके पर पहुंचकर छात्रों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दुर्गम इलाके और खराब मोबाइल नेटवर्क के कारण बचाव कार्य में बाधा आई। प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए लोगों से झरनों या जल स्रोतों के पास सावधानी बरतने की अपील की है।

पांच एकड़ में की जा रही अफीम की अवैध खेती नष्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पांच एकड़ जमीन पर की जा रही अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोंगलुंग, ल्हांगजोल और वाफोंग गांवों के आस-पास की पहाड़ी क्षेत्रों में की गई। मौके से आठ खोखे, उर्वरक के बैग और अफीम के बीज जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दो नवंबर को भी इन्हीं इलाकों में लगभग 30 एकड़ में फैली अफीम की खेती को नष्ट किया गया था। मणिपुर में नशे के कारोबार और अफीम उत्पादन को रोकने के लिए यह अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि राज्य के कुछ सीमावर्ती और पहाड़ी इलाकों में अफीम की खेती लंबे समय से स्थानीय गिरोहों और तस्करों की मदद से की जा रही है, जिसे अब पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग और भानु राणा जॉर्जिया और अमेरिका में गिरफ्तार

-भारत लाने की तैयारी शुरु, दोनों पर हरियाणा-पंजाब में दर्ज हैं संगीन मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। विदेशी धरती पर गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में भारत के दो मोस्ट वांटेड अपराधी वेंकटेश गर्ग और भानु राणा को जॉर्जिया और अमेरिका में हिरासत में ले लिया है। दोनों पर हरियाणा और पंजाब में कई संगीन मामले दर्ज हैं। सरकार की तरफ से विदेशों में छिपे गैंगस्टरों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग जॉर्जिया में पकड़ा गया है। इसे भारत लाने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक वेंकटेश गर्ग को बहुत जल्द जॉर्जिया से भारत लाया जाएगा। उसे भारत लाने के लिए हरियाणा एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम जॉर्जिया पहुंच चुकी है।

हरियाणा में अपराधियों की शामत, 2 दिनों में कई जगह हुई छापेमारी में 56 गिरफ्तार

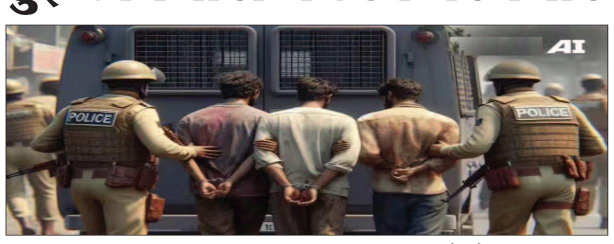

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' में सिर्फ दो दिनों में 56 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर कानून का कड़ा संदेश दिया है। इस अभियान का मकसद अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ना, उनकी संपत्तियां जब्त करना और नई वारदातों को रोकना है। जनता-पुलिस की साझी सफलता ने साबित कर दिया है कि हरियाणा अब अपराधियों के लिए ÷नो प्लेस टू हाइड÷ बन चुका है। इस अभियान का नेतृत्व डीजीपी ओपी सिंह कर रहे हैं, और इसकी रणनीति थाना, जिला और राज्य स्तर पर बनाई गई है। हर थाना अपने क्षेत्र के पांच सबसे कुख्यात अपराधियों को निशाने पर रखे हुए है, जबकि हर जिले की टीम 10 टॉप मोस्ट अपराधियों की गिरफ्तारी पर ध्यान दे रही है। एसटीएफ ने राज्यभर के 20 सबसे खतरनाक अपराधियों की सूची तैयार की है, जिन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यह अभियान 20 नवंबर तक चलेगा और इसका मुख्य उद्देश्य कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके नेटवर्क को तोड़ना, नई वारदातों को रोकना और सुरक्षा मजबूत करना है। पहले ही दो दिनों में पुलिस ने कुल 56 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि 602 अन्य आरोपियों पर भी कार्रवाई हुई है। यह अभियान अपराधियों में डर पैदा कर चुका है और जनता-पुलिस के सहयोग से सफलता की नई मिसाल कायम की है। अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। केवल गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उनके नेटवर्क को तोड़ना, संपत्तियां जब्त करना, जमानत रद्द करवाना और भविष्य में अपराध रोकना इस अभियान की प्राथमिकता है। पहले ही दो दिनों की सफलता ने दिखा दिया कि हरियाणा अब अपराधियों के लिए ÷नो प्लेस टू हाइड÷ बन चुका है और कानून पूरी तरह अपना नियंत्रण बनाए हुए है। पहले दो दिनों की जबरदस्त सफलता ने दिखा दिया कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन कितना असरदार है। 5 नवंबर को एक ही दिन में 32 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई, वहीं 6 नवंबर को 24 और कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 252 अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी हुई। इन दो दिनों में 9 हिस्ट्रीशीट भी खोली गईं, जिससे अपराधियों का रिकॉर्ड अपडेट हुआ और भविष्य में उनकी जमानत रद्द करने की प्रक्रिया तेज़ हुई।

सुवेंदु का ममता पर तीखा हमला कहा- बंगाल में दुष्कर्म जैसी घटना को दबाती है पुलिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की बदहाली पर नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असफल करार दिया है। तारकेश्वर में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बच्ची की जिंदगी बर्बाद हो गई, लेकिन पुलिस एफआईआर दर्ज करने के बजाय अपराध दबाने में लगी है। परिवार पुलिस स्टेशन पहुंचा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, फिर चंदननगर रेफर कर दिया। सुवेंदु ने सवाल उठाया कि तारकेश्वर पुलिस कानून की रक्षा कर रही है या ममता के चाटुकार बनी हुई है? उन्होंने कहा कि यह ममता बनर्जी के बेलगाम शासन का असली चेहरा है। हर बार एक ही कहानी- बलात्कार, एफआईआर न होना या देरी, अस्पताल रेफर, मीडिया ब्लैकआउट और टीएमसी नेताओं का पर्दाफाश। ममता बनर्जी, आपके राजनीतिक अस्तित्व के लिए और

कितनी मासूम बेटियों की जान कुर्बान करनी पड़ेगी?

सुवेंदु ने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके शासन में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। पुलिस सच्चाई दबाकर राज्य की नकली छवि बचा रही है। तारकेश्वर पुलिस ने अपनी शपथ भुला दी है। यह घटना सिर्फ एक उदाहरण है, जो राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं की पोल खोलती है। इससे पहले सुवेंदु ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केएमसी अवैध तरीके से जन्म प्रमाणपत्र जारी कर रहा है। इनका मकसद वास्तविक नागरिकों की मदद नहीं, बल्कि उन संदिग्ध व्यक्तियों को फायदा पहुंचाना है, जिनके नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। एक्स पर पोस्ट में सुवेंदु ने चुनाव आयोग से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि यह मतदाता सूची में हेरफेर और लोकतंत्र को कमजोर करने का घोर प्रयास है। जन्म प्रमाणपत्र कानूनी दस्तावेज हैं, जो नवजात शिशुओं या दुर्लभ मामलों में देरी से पंजीकरण के लिए जारी होते हैं। ये राजनीतिक हथियार नहीं, जिनका इस्तेमाल वोट बैंक के लिए जनसांख्यिकी बदलने में हो। भाजपा नेता का कहना है कि टीएमसी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है। बच्ची बलात्कार जैसी जघन्य घटना में पुलिस की निष्क्रियता और फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों का खेल राज्य में कानून की मौत का प्रमाण है। सुवेंदु ने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि असफल शासन की यही पहचान है अपराध दबाओ, सच्चाई छिपाओ, वोट बैंक बनाओ। चुनाव आयोग और जनता से अपील की कि ऐसे खेल को रोका जाए। बंगाल की जनता अब जाग रही है और ममता के इस बेलगाम शासन को जवाब देगी।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में सांस लेना हुआ दूभर, 350 के पार हो गया एक्यूआई

फरीदाबाद (एजेंसी)। ठंड की शुरुआत होते ही गुरुग्राम और फरीदाबाद में सांस लेना दूभर हो गया है। यहां एक्यूआई 350 के पार हो गया है। मौसम और औद्योगिक गतिविधियों के चलते इन दोनों शहरों की हवा सांस लेने के लिए हानिकारक बनी हुई है। गुरुग्राम में आज का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) औसतन खराब श्रेणी में है, लेकिन अलग-अलग इलाकों में यह स्तर काफी अलग दिख रहा है। उदाहरण के लिए सेक्टर 47 में एक्यूआई 358 दर्ज किया गया है, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। वहीं, शहर के अन्य हिस्सों का औसत एक्यूआई 143 के आसपास है जो सामान्य तौर पर खराब माना जाता है। इसका मतलब यह है कि सेक्टर 47 और आसपास के लोग आज अपनी सेहत के प्रति विशेष सतर्कता रखें और लंबी अवधि तक बाहर रहने से बचें। बल्लभगढ़ में आज का एक्यूआई 157 दर्ज किया गया है, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां पीएम 2.5 प्रदूषण का स्तर काफी अधिक है। पीएम 2.5 छोटे कण होते हैं जो सांस के रास्ते आसानी से फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकते हैं। लंबे समय तक ऐसे प्रदूषित वातावरण में रहने से सांस की बीमारी, एलर्जी और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग विशेष सतर्कता बरतें और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।सामान्य लोगों के लिए भी आज मास्क पहनकर बाहर निकलना और व्यायाम या लंबी पैदल यात्रा को सीमित करना बेहतर होगा। घर के अंदर हवा को शुद्ध रखने के लिए एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल और खिड़कियां बंद रखना फायदेमंद हो सकता है। कुल मिलाकर आज गुरुग्राम और फरीदाबाद में वायु गुणवत्ता सामान्य से खराब है और सभी लोगों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी है।

यहां एक्यूआई बेहद खराब

वहीं फरीदाबाद की बात करें तो यहां आज का कुल एक्यूआई स्तर अस्वस्थ श्रेणी में है जिसका औसत लगभग 204 है। फरीदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में भी वायु गुणवत्ता में अंतर देखा जा रहा है। उदाहरण के तौर पर सेक्टर 11 का एक्यूआई 275 है, जो खराब श्रेणी में आता है। न्यू इंडस्ट्रियल टाउन और नरेला राजीव नगर में एक्यूआई क्रमशः 230 और 230 दर्ज किया गया है, जो भी खराब श्रेणी के अंतर्गत आता है। इन आंकड़ों से साफ दिखता है कि फरीदाबाद में औद्योगिक गतिविधियों और वाहनों के धुएं के कारण वायु में प्रदूषकों का स्तर काफी अधिक बढ़ गया है।

विपक्ष की लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत

-चिराग बोले- जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को मुद्दा बना लिया

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के मतदान के लिए रविवार को चुनाव प्रचार का शोर थम गया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव को उनके हालिया बयानों को लेकर उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में विपक्षी दलों के नेता मुद्दों से भटक जाते हैं और बेवजह के मुद्दों पर लोगों को गुमराह कर वोट हासिल करना चाहते हैं। विपक्षी दलों की यह सोच अच्छी नहीं है।

चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष चुनाव से पहले एसआईआर जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, दावा किया जा रहा था कि एसआईआर के जरिए लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, क्या आपको कोई ऐसा मतदाता मिला जिसने कहा कि उसका वोट काट लिया गया है? यह

लोग ईवीएम को दोषी ठहराते है, जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को नया मुद्दा बना लिया।

चिराग ने आगे कहा कि एसआईआर का न तो सरकार से और न ही हमारे राज्य के लोगों से कोई लेना-देना है। हर चुनाव में विपक्ष ने हमेशा भ्रम फैलाने की कोशिश की है। यह विपक्ष की रणनीति का हिस्सा बन गया है, जब भी चुनाव आते हैं, वे एक झूठी कहानी बनाते हैं, गलत सूचना फैलाते हैं और डर पैदा करने की कोशिश करते हैं। लोकसभा चुनाव में भी देखा गया था कि विपक्ष ने भ्रम फैलाया कि एनडीए की सरकार फिर से आई तो देश में आरक्षण और संविधान खत्म हो जाएगा। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल को सवा साल से ज्यादा हो गया है। मैं विपक्षी दलों के नेता से पूछता हूं कि क्या संविधान और लोकतंत्र खत्म हो गया।

एसआईआर का जिक्र करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि अगर विपक्षी दलों को लगता है कि एसआईआर उनके लिए मुद्दा है तो एक बार भी अधिकृत आपत्ति दर्ज क्यों नहीं करवाई? अगर आपको चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो सुप्रीम कोर्ट जाइए, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। लोगों को डराकर वोट हासिल करने की सोच गलत है।

बेंगलुरू की जेल में मौज काट रहे आतंकी, मोबाइल पर घंटो बात करते और टीवी देखते हैं कैदी

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में आतंकियों को घर जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। उनके एशो आराम में कोई कमी नहीं है। खतरनाक आतंकी यहां कभी घंटों मोबाइल पर बात करते हैं तो कभी टीवी देखकर अपना मनोरंजन करते नजर आते हैं। इसी तरह का वीडियो वायरल होते ही कर्नाटक में हड़कंप मच गया है। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए छह वीडियो में आईएसआईएस के हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना, सीरियल रेपिस्ट और मर्डरर उमेश रेड्डी जैसे खूंखार कैदी मोबाइल फोन पर बातें करते, टीवी देखते और अन्य सुविधाओं का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। वहीं स्थानीय निवासियों की शिकायत रहती है कि जेल के आसपास लगे नेटवर्क जैमर उनकी मोबाइल सिग्नल बाधित कर रहे हैं, लेकिन कैदी बिना रुकावट फोन चला रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं रिपोर्ट मंगवाऊंगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। एडीजीपी (जेल) बी दयानंदा ने जांच के आदेश जारी किए हैं। इसमें फोन मुहैया कराने वालों, शामिल अधिकारियों की भूमिका और वीडियो लीक करने वालों की पहचान होगी। एडीजीपी (जेल) पीवी आनंद रेड्डी ने जेल का दौरा किया और कैदियों व स्टाफ से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में वीडियो 2023 और 2025 के पाए गए। वायरल वीडियो में से तीन वीडियो 2023 के बताए जा रहे हैं, जबकि बाकी हाल के हैं। इस सुरक्षा चूक ने न केवल जेल प्रशासन को शर्मसार किया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वीडियो में आईएसआईएस के कुख्यात हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना को स्मार्टफोन और बेसिक हैंडसेट पर बात करते हुए देखा गया है।

महाराष्ट्र में बड़ा सवाल: क्या निकाय चुनावों में टूट जाएगा उद्धव और शरद पवार के साथ कांग्रेस का गठबंधन?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में महाराष्ट्र कांग्रेस अगले सप्ताह यह फैसला करेगी कि राज्य में चुनावों के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन किया जाए या नहीं।

खबरों के मुताबिक यह निर्णय 12 नवंबर को होने वाली महाराष्ट्र कांग्रेस संसदीय बोर्ड की बैठक में लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले सभी जिला अध्यक्षों के साथ चर्चा की जाएगी, जिसके बाद राज्य के वरिष्ठ नेता विचार-विमर्श करेंगे और अंतिम फैसला लेंगे। बैठक में यह तय होने की उम्मीद है कि कांग्रेस को अपने महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के साथ गठबंधन करना चाहिए या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ किसी भी तरह के गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर विरोध है। पिछले कुछ महीनों से, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आगामी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले हाथ मिलाने के संकेत दे रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि उनके जिला संसदीय बोर्ड दो दिसंबर को होने वाले 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के साक्षात्कार पूरे करने और संभावित उम्मीदवारों की सूची बनाने की प्रक्रिया में हैं। सूत्रों ने बताया, 'ब्लॉक स्तर के नेता स्थानीय स्तर पर चुनाव रणनीति की देखरेख कर रहे हैं और जिला इकाई प्रमुख अपने-अपने क्षेत्रों का प्रबंधन कर रहे हैं, जबकि प्रमुख नेता संभाग स्तर पर गतिविधियों की देखरेख, रणनीति और प्रचार कर रहे हैं।' राज्य निर्वाचन आयोग ने अभी तक 29 नगर निगमों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया है, जिनमें मुंबई में बृहन्मुंबई महानगर पालिका, 32 जिला परिषद और 336 पंचायत समितियां शामिल हैं, जहां चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने स्थानीय नेताओं से कहा है कि वे जमीनी स्तर पर राजनीतिक स्थिति के अनुसार केवल कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन दलों के साथ गठबंधन पर फैसला लें। सूत्रों ने कहा, 'हमें 6,859 सीट के लिए उम्मीदवारों से 35,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।' दो दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होगी। कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया कि पार्टी के लिए चुनाव में अच्छी संभावना है क्योंकि ग्रामीण मतदाता बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए राहत पैकेज को लेकर सरकार से 'नाराज' हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके अनुसार 'वोट चोरी' का उनका मुद्दा जमीनी स्तर पर पहुंच गया है। पार्टी नेताओं के अनुसार, प्रदेश इकाई ने स्थानीय चुनाव की तैयारी के लिए सूक्ष्म स्तर की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के बूथ प्रमुखों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। ह्यद लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्ल रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिर्वतन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि ह्यद लांसेटह्ल की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया।

किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अघिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठ रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हर मोर्चे पर पिटती पाक सेना और मुनीर को तमगे

सनत जैन

पाकिस्तान की राजनीति और सेना के बीच का रिश्ता हमेशा से सत्ता संघर्ष और आपसी हितों की खींचतान में उलझा रहा है। मगर हालिया घटनाओं ने इस रिश्ते की जटिलता को और गहरा कर दिया है। जिस वक्त पाकिस्तान की सेना तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे संगठनों से बल्कि प्रत्येक मोर्चे पर लगातार पराजय झेल रही है, उसी वक्त शहबाज सरकार ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नई शक्तियां देने का रास्ता निकाल लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संविधान में संशोधन का 27वां बिल संसद में पेश कर रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद सृजित किया है और इस पद पर नियुक्ति का ताज असीम मुनीर के सिर सजने वाला है। यह संशोधन महज एक प्रशासनिक कदम नहीं कहा जा सकता बल्कि इसे सत्ता-संतुलन के खेल का अहम हिस्सा माना जाना चाहिए। यह कौन नहीं जानता कि पाकिस्तान में सेना की मर्जी के बगैर कोई भी लोकतांत्रिक सरकार चार दिन भी नहीं चल सकती है। सेना का प्रभाव इतना गहरा है कि सरकारें उसकी छाया में ही महफूज रहती हैं। ऐसे में रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद बनाकर सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि सैन्य तंत्र को अब संवैधानिक रूप से भी सर्वोपरि दर्जा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की सलाह पर यह नियुक्ति होगी, परंतु यह सलाह वस्तुतः औपचारिक्ता वाली रह जाएगी। सेना अब न केवल रक्षा नीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भी निर्णायक चेहरा बनने की ओर अग्रसर है। दिलचस्प बात यह है, कि यह फैसला उस समय आया है जबकि पाकिस्तान की सेना अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर लगातार नाकाम साबित हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में एफ-16 समेत कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान को युद्धविराम की गुहार लगानी पड़ी थी। इस पराजय के तुरंत बाद असीम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा देकर पुरस्कृत किया गया और अब उन्हें तीनों सेनाओं का सर्वोच्च प्रमुख बनाए जाने की तैयारी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पराजय को ढंकने के लिए सम्मान और पदोन्नति का यह खेल खेला जा रहा है? खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले की एक ताजा घटना ने पाक सेना की अक्षमता को और भी बेहतर ढंग से उजागर करने का काम किया है। दरअसल खबर है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाकों ने सेना की एक चौकी पर कब्जा कर सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। चौकी पर तालिबानी झंडा फहराया गया और पाकिस्तानी सेना के जवानों के हथियारों को कब्जे में ले लिया गया। यह वही इलाका है जहां कभी पाकिस्तानी सेना आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाने और अनेक लड़ाकों को मारने जैसे दावे करती थी। अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि तालिबानी संगठन खुलेआम अपनी चेकपोस्टें बना रहे हैं और स्थानीय इलाकों पर नियंत्रण कायम कर रहे हैं। पेशावर और बन्नू जैसे इलाकों में सरकार और सेना का प्रभाव घटता जा रहा है। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है, कि जब पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर उसकी सेना अपना नियंत्रण खोती जा रही है, तब वही सेना देश के भीतर सत्ता की बागडोर और मजबूत पकड़ बनाने में व्यस्त है। इससे साफ झलकता है कि पाकिस्तानी नेतृत्व की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण है। मुनीर को दिया जा रहा यह ह्यसुपर-सीओएसह्ल पद राजनीतिक व्यवस्था पर सेना के स्थायी कब्जे की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। उधर, आतंकवाद का पुराना चेहरा हाफिज सईद और उसके संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा की पड़ोसी देशों में बढ़ती गतिविधियां एक बार फिर चिंता का सबब बनी हैं। एक वायरल वीडियो में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह सैफ यह दावा करता नजर आया कि हाफिज सईद बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमले की योजना बना रहा है। इस दावे में सच्चाई चाहे जितनी भी हो, परन्तु यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान की भूमि एक बार फिर आतंकवादी लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल होने के लिए तैयार है। इससे दो बातें स्पष्ट होती हैं पहली, पाकिस्तानी शासन आतंकी ढांचों पर प्रभावी नियंत्रण खो चुका है और दूसरी, वह आतंकी समूहों को अपने रणनीतिक उपकरण की तरह अब भी इस्तेमाल करने से बाज नहीं आ रहा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह स्थिति पाकिस्तान के लिए घातक साबित हो सकती है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बढ़ती बेरोजगारी और डॉलर की कमी से पाकिस्तान सरकार आईएमएफ की शर्तों को मानने पर बाध्य है, वहीं दूसरी ओर आतंकवाद के पुनरुत्थान और सैन्य वर्चस्व ने उसकी विश्वसनीयता को दुनियां के अधिकांश देशों के सामने और गिरा दिया है। इस पृष्ठभूमि में मुनीर को नया पद देकर शक्ति सौंपना लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में एक और कदम है। पाकिस्तान की इस स्थिति को देखते हुए भारत को सीमा पर और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। क्योंकि पाकिस्तान का हाल इन दिनों कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है, कि हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। यह अलग बात है कि इस मामले में भी पाकिस्तान को मुंह की ही खानी पड़ेगी, क्योंकि पाकिस्तान की सेना आज भी दो मोर्चों पर पिट रही है, एक ओर आतंकी संगठनों से, दूसरी ओर अपनी ही असफल नीतियों से। बावजूद इसके, मुनीर को यूं तमगों से नवाजा जाना, पाकिस्तानी आवाम के गले से भी नीचे नहीं उतर रहा है। आम जनता भी यही कह रही है कि जब हर मोर्चे पर सेना हार रही है तो फिर ये तमगे क्योंकर और कैसे?

दो टूक : रेल सुरक्षाः सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

योगेश कुमार गोयल

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है?

भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणालीः मौतों का भयावह यथार्थ

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को 'प्रदर्शन की प्रतियोगिता' बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में

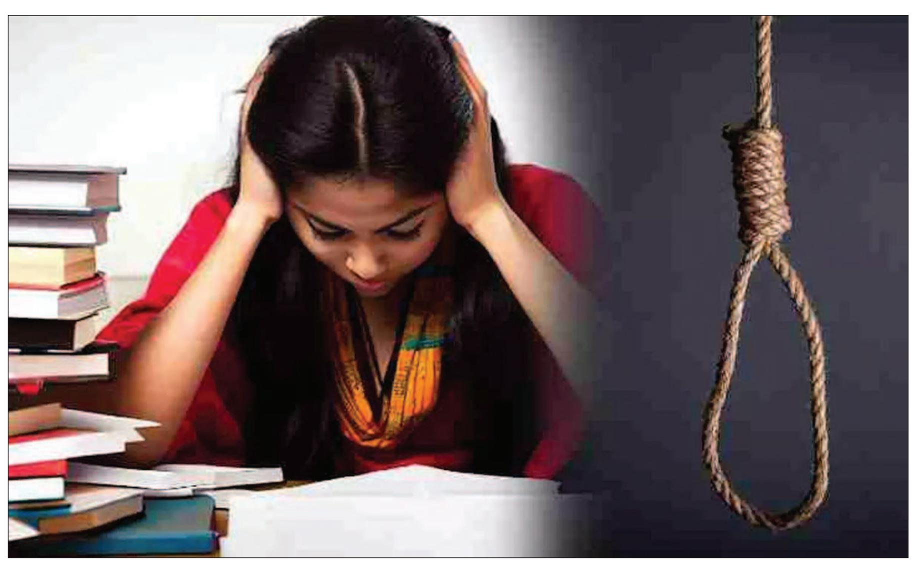

डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-'पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।' आज की शिक्षा बच्चों को केवल 'जानकार' बना रही है, 'ज्ञानी' नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा 'प्रतियोगिता का उद्योग' पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में 'होलिस्टिक लर्निंग', 'जॉयफुल एजुकेशन', 'रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर' जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निदेर्शों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-'शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।' स्वामी विवेकानंद ने भी कहा 'शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।' परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि 'तनाव से कैसे निपटें', 'असफलता को कैसे स्वीकारें' या 'भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।' जिन्हें हम 'टॉपर' कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-'सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।' समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

द्वि किसान सहकारी चीनी मिल काला खेड़ा का विधि विधान से पूजन कर किया गया शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- किसान सहकारी चीनी मिल कालाखेड़ा में पेराई सत्र का शुभारंभ विधिवत हवन पूजन के बाद किया गया। हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी , शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो व जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने संयुक्त रूप से पेराई सत्र का हवन पूजन में फीता काटकर किया शुभारंभ। पेराई सत्र के शुभारंभ से पूर्व गन्ना चैन के पास अखंड रामचरितमानस का पाठ और पूजा-अर्चना की गई। पंडित कृष्ण शर्मा ने पूजा संपन्न कराई। हवन और मंत्रोच्चार के बीच चैन में गन्ना डालकर चीनी मिल के पेराई सत्र की विधिवत शुरूआत की गई। इस अवसर पर चीनी मिल में बैलगाड़ी से गन्ना लेकर आए दो किसानों को सम्मानित किया गया। विधायक और जिलाधिकारी ने तोल कांटों की भी पूजा की और मिल के जीएम से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि चीनी मिल किसानों का गन्ना पेराई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। विधायक ने यह भी कहा कि सरकार लगातार किसान हित में कार्य कर रही है। इस मौके पर उपसभापति राम किशोर सिंह चौहान, मिल के जीएम रामकेश सिंह धामा, नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी, देवेंद्र खड़गवंशी,अभिनव कौशिक, हसनपुर ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, सीसीओ एसएस ढाका चौधरी दिवाकर सिंह, काले सिंह, संजीव बालियान, कृष्ण कुमार शर्मा, चंद्रप्रकाश शर्मा, महिपाल चौहान, अंकुर अग्रवाल, अशोक नगर,राजू राणा, प्रमोद त्यागी, सुरेश त्यागी, प्रमोद रोहिरिया, उदयवीर सिंह, पराग रस्तोगी, एसके सिंह सहित आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान द्वारा 11 नवंबर को विकास भवन में की जाएगी महिला जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले के जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया कि सर्व सामान्य सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउस / सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद अमरोहा में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद अमरोहा में माह नबम्बर दिनांक 11.11.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार कक्ष अमरोहा में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, बबीता सिंह चौहान द्वारा, उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जानी हैं। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त महिला जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करायें। इसके साथ-साथ महिला सुनवाई के अतिरिक्त जनपद अमरोहा के राजकीय बालिका इण्टर कालेज में बालिकाओं के साथ शक्ति संवाद कार्यकम भी किया जायेगा।

तीस नवंबर को अमरोहा में होगी कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की विशाल जनसभा

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा द्वारा हसनपुर क्षेत्र के गांव के तारारा में जनचौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि सुभासपा समाज के सभी वर्गों को समान सम्मान दिलाने और पिछड़े, वंचित वर्गों की आवाज को सशक्त मंच देने के लिए कार्य कर रही है ।उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर जी गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी नीतियों का उद्देश्य समाज में समान अवसर और न्याय की स्थापना करना है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि तीस नवंबर को अमरोहा में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की विशाल जनसभा प्रस्तावित है जो जिले की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ेगी। सत्यपाल तोमर ने कहा कि यह जनसभा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की शक्ति और एकजुटता का प्रदर्शन होगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत कराएं और अधिक से अधिक संख्या में जनसभा में पहुंचें। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही राजनीतिक परिवर्तन की कुंजी है। बैठक में आगामी जनसभा की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि अमरोहा की यह सभा ऐतिहासिक होगी। इस दौरान मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान,जिला उपाध्यक्ष बाबूराम, संगठन मंत्री चंद्रसेन खड़कवंशी, जगत सिंह गुर्जर, जितेंद्र राणा, ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण राणा, विधानसभा अध्यक्ष सुहेलदेव सेना नरेंद्र कुमार राणा, डॉ. चंद्रपाल सिंह, विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर लक्षण सिंह वकील साहब, करण सिंह, महिपाल सिंह, संजय राणा, खूबचंद राणा, तारा सिंह राणा, शेरपाल सिंह राणा, दयाराम सिंह राणा, यादराम सिंह, भोजराम सिंह, चंद्रपाल सिंह, छज्जू सिंह, जगपाल सिंह प्रजापति, हरपाल सिंह प्रजापति, जसपाल सिंह, वकील साहब, करण सिंह आदि मौजूद रहे।

अवैध खनन के गड्ढे में गिरकर महिला की मौत, एक आरोपी गिरफ्तार; ट्रैक्टर-ट्राली और डिग्गर बरामद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के ग्राम नरौदा में अवैध खनन की लापरवाही से हुए हादसे में एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना बहजोई पुलिस ने एक आरोपी हरि सिंह (23) पुत्र खुशीराम को ट्रैक्टर-ट्राली, मिट्टी खींचने वाला मांझा (डिग्गर) और दो लोहे के चेनर सहित गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। घटना की जानकारी के अनुसार, ग्राम नरौदा निवासी राजवीर उर्फ करू पुत्र होतीलाल की सहमति से हरि सिंह और वीरेश ने अवैध रूप से खनन कर एक गहरा गड्ढा खोद दिया था। इससे ऊंची ढलान (ढांग) बन गई थी। लापरवाही के चलते शाम करीब 4:30 बजे सात महिलाएं और एक बालिका उस ढांग के ढह जाने से गड्ढे में गिर गईं, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गईं। इलाज के दौरान भूदेई पत्नी रामाशंकर की मौत हो गई। मृतका के पति रामाशंकर पुत्र प्रेमपाल निवासी ग्राम नरौदा की तहरीर पर थाना बहजोई में हरि सिंह सहित तीन अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस ने आरोपी हरि सिंह को दबिश देकर पकड़ा। पुलिस ने मौके से अवैध खनन में इस्तेमाल ट्रैक्टर-ट्राली, डिग्गर और चेनर भी बरामद कर लिए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन पर सख्ती जारी रहेगी और अन्य आरोपी जल्द गिरफ्तार होंगे। मामले की गहन जांच की जा रही है।

गजरौला क्षेत्र में भेंस बेचने के नाम पर ठगे दस हजार,वापस मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक से भैंस बेचने के नाम पर दस हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है जहां पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो उसे जान से मारने की भी धमकी दी गई है। बता दें कि गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव होशंगपुर निवासी पीड़ित रुपसिंह पुत्र बाबूराम से भैस बेचने के नाम पर एक युवक द्वारा दस हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है वहीं पीड़ित द्वारा अपने पैसे वापस मांगने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है, मामले की जानकारी देते हुए रुपसिंह ने बताया कि उसके मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन आया और बोला कि मैं जनपद अमरोहा के गांव कुआं खेड़ा से इन्तजार बोल रहा हूं आपको भैस खरीदनी है बस इसी बात पर पीड़ित रुपसिंह ने हां कर दी और रुपसिंह से अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से अपने खाते में दस हजार रुपए डलवा लिये, इसके बाद जब पीड़ित रुपसिंह को ठगी का अहसास हुआ तो उसने अपने रुपए वापस मांगे,इस पर आरोपी युवक पीड़ित को जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़ित रुपसिंह ने गजरौला थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

थाना समाधान दिवस में आयी प्रत्येक जन सामान्य की शिकायतों का किया जाए निस्तारण:- जिलाधिकारी

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- शासन के मंशानुरूप शनिवार को थाना समाधान दिवस में आये प्रत्येक जन सामान्य की समस्या के त्वरित निस्तारण के लिए जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन थाना गुन्नौर में किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना समाधान दिवस में आयी जन सामान्य की शिकायतों को शीघ्र एवं गुणवत्ता पूर्ण किया जाए निस्तारण और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जमीनी विवाद को गंभीरता से लें और कहा कि अगर कहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा है तो भूमि को कब्जा मुक्त कराते हुए भू माफिया की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार एवं क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू, थाना गुन्नौर के निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मारपीट और जानलेवा हमले के आरोपी को गुन्नौर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- कानून व्यवस्था और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गुन्नौर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रामौतार पुत्र पीताम्बर, निवासी ग्राम जाफरपुर, थाना गुन्नौर, जनपद सम्भल की तहरीरी शिकायत पर की गई है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने वादी के साथ गाली-गलौज किया, मारपीट की और विरोध करने पर जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से हाथ और सिर पर वार किया। इस घटना के संबंध में थाना गुन्नौर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें रविवार को थाना गुन्नौर पुलिस टीम ने मुकदमे से जुड़े अभियुक्त कालीचरन पुत्र कुमरपाल, निवासी ग्राम जाफरपुर, थाना गुन्नौर, जनपद सम्भल को ग्राम दौलतपुर की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी की है। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे इस अभियान में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत हो रही है।

सुलह समझौता केंद्र की मीटिंग में 53 विवादों का निस्तारण, 12 परिवार फिर से हुए एक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की देखरेख में शनिवार को संचालित हुई पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण मीटिंग पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई। केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की अगुवाई में आयोजित इस मीटिंग में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने का सफल प्रयास किया गया। मीटिंग में कुल 140 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 53 पत्रावलियों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। इसके अलावा 12 परिवारों को आपसी समझौते के जरिए फिर से एकजुट किया गया। वहीं, 10 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई, जबकि 31 पत्रावलियां न्यायालय में विचाराधीन होने या आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की सिफारिश की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, रश्मि गहलोत, ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। मीटिंग में परिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देने और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे केंद्र समाज में पारिवारिक एकता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न: 3 विवाद सुलझे, एक परिवार को मिलाया

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की देखरेख परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरों द्वारा किया गया। कुल 5 पत्रावलियों पर सुनवाई हुई, जिसमें से 3 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। एक परिवार को फिर से एकजुट किया गया, जबकि दो पत्रावलियां आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद कर दी गईं। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोड़ा, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि पीसी, सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस की इस पहल से पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में मदद मिल रही है।

यातायात जागरूकता अभियान छात्रों और आमजन को सड़क सुरक्षा का पढ़ाया पाठ

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- यातायात माह नवंबर के तहत जनपद में चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियान के क्रम में शनिवार को यातायात पुलिस ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने एएस वर्ड स्कूल चन्दौसी और कस्बा चन्दौसी के मुख्य स्थानों पर छात्र-छात्राओं तथा आमजन को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। यातायात पुलिस टीम ने स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने तथा नियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। टीम ने स्पष्ट रूप से समझाया कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का अनिवार्य पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाएं, नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें तथा 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे वाहन न चलाएं। साथ ही, सभी को जागरूक बनने और दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की गई। जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यातायात नियमों से संबंधित पंपलेट भी छात्रों और आमजन में वितरित किए गए। इस अभियान से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित यातायात संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

फर्जी महिला डॉक्टर गिरफ्तार,अवैध अस्पताल चलाकर गर्भवती महिलाओं का कराती थी प्रसव

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के नेतृत्व में थाना प्रभारी गुन्नौर अखिलेश प्रधान की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने थाना हाजा पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019 के तहत पंजीकृत मुकदमे में वांछित अभियुक्ता बबीता (32), पत्नी अनिल यादव, निवासिनी गली श्यामपुरी, कस्बा व थाना नरौरा, जनपद बुलंदशहर को फतेहपुर फरीदपुर मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्ता को रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार, कांस्टेबल नितिन कुमार, कांस्टेबल विशाल कुमार और महिला कांस्टेबल आकांक्षा शामिल रहे। चिकित्सा विभाग द्वारा अवैध अस्पतालों के संचालन पर कार्रवाई के क्रम में 3 नवंबर को डॉ. अजहर अली की टीम ने गुन्नौर चौराहे पर स्थित गय्यूर अली की दुकानों के अंदर चल रहे साई अस्पताल की चेकिंग की। जांच में पता चला कि यह अस्पताल अनिल पुत्र राम अवतार (निवासी गली श्यामपुरी, कस्बा व थाना नरौरा, जनपद संभल) अपनी पत्नी बबीता के साथ मिलकर चला रहा था। मौके पर मौजूद बबीता ने बताया कि अस्पताल का रजिस्ट्रेशन उसके पति डॉ. अनिल के नाम पर है और दस्तावेज उनके पास हैं। टीम ने मौके से डिलीवरी इंस्ट्रूमेंट, डॉप्लर मशीन और कई ओपीडी संबंधी दस्तावेज बरामद किए। बबीता को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, लेकिन 7 नवंबर तक कोई दस्तावेज नहीं सौंपे गए। मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद संभल ने उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनमोहन शर्मा को जांच सौंपी। उनकी रिपोर्ट के आधार पर थाना हाजा पर मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि बबीता ने वर्ष 2012 में 12वीं पास करने के बाद मुस्कान नर्सिंग होम, हसनपुर (जनपद अमरोहा) में आया का काम शुरू किया। इसके बाद वह रजपुरा के सेवा क्लीनिक में काम करने लगी, जहां उसकी मुलाकात अनिल यादव से हुई। अनिल पहले से शादीशुदा था, लेकिन दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हो गया। वर्ष 2019 में अनिल ने बबीता को गुन्नौर चौराहे पर साई पॉलीक्लीनिक खोलकर दे दिया। बबीता ने खुद को 'डॉ. बबीता, स्त्री रोग विशेषज्ञ' बताकर पहचान बनाई और आसपास की आशा कार्यकताओं की मदद से गर्भवती महिलाओं को बुलाकर उनका इलाज व प्रसव कराने लगी। चिकित्सा विभाग की सख्ती के दौरान उसने अस्पताल का बोर्ड हटवा दिया और छिपकर अवैध गतिविधियां जारी रखीं। बबीता ने एक सहायिका लाली को भी रखा हुआ था, जिसके संबंध में जांच चल रही है। अवैध अस्पताल चलाने में सहयोग करने वाली आशा कार्यकताओं की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस और चिकित्सा विभाग की यह संयुक्त कार्रवाई क्षेत्र में अवैध चिकित्सा प्रथा पर लगाम लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। स्थानीय लोग इस कार्रवाई से राहत महसूस कर रहे हैं, क्योंकि फर्जी डॉक्टरों के कारण कई गर्भवती महिलाओं की जान खतरे में पड़ रही थी।

गजरौला मार्ग पर बेकाबू पिकअप ने बाइक सवार को रौंदा, मासूम की उपचार के दौरान मौत, दौड़ी शोक की लहर

मृतक जुनेरा का फाइल फोटो

हसनपुर/गजरौला (सब का सपना):- गजरौला मार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार को पिकअप ने रोंद दिया। रहरा थाना क्षेत्र के गांव पोरारा निवासी युसूफ अपनी पत्नी समीना और बेटी जुनेरा के साथ बाइक पर सवार होकर अपनी ससुराल मनौटा जा रहे थे। जैसे ही बाइक गजरौला मार्ग पर आगापुर की पुलिया के निकट पहुँची, तो गजरौला की दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्री और पत्नी घायल हो गए। तीनों घायलों को तुरन्त निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ उपचार के दौरान मासूम जुनेरा दो वर्षीय ने दम तोड़ दिया। पत्नी समीना को भी गंभीर चोटें आई हैं। खबर मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची और पिकअप गाड़ी को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। इस हादसे में मासूम की मौत से परिजनों में कोहराम मचा गया। इस भीषण हादसे ने सभी की आंखें नम कर दी। (सब का सपना समाचार पत्र कि लोगों से अपील- वाहनों पर चमकने वाला रेडियम स्टीकर अवश्य लगाए, जिससे कि आने वाले कोहरे के मौसम में होने वाले हादसों से बचा जा सके).

अनाथ बच्चों की सेवा हमारा धर्म है: डॉ. सुनील चौरसिया 'सावन

कुशीनगर। मधुर साहित्य सामाजिक काव्य संस्था, लक्ष्मीगंज और सावन साहित्य सेवा सदन द्वारा 127 वीं कवि गोष्ठी साहित्यकार डॉ. सुनील चौरसिया 'सावन' के आवास पर अटल नगर (अमवा बाजार), नगर पंचायत- रामकोला में संपन्न हुई। दीपक प्रज्वलन के पश्चात कवि बलराम राय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि कवि मधुसूदन पांडेय ने 'बचपन में बाबूजी स्वर्ग सिधारीं, कोखिया के जनमल काहें देहलू बिसारी' सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया। सावन साहित्य सेवा सदन के अध्यक्ष एवं शिक्षक डॉ. सावन ने कहा कि अनाथ बच्चों की सहायता करना हमारा धर्म है तथा 'जो अनाथों के नाथ हैं, उन्हीं में भोलेनाथ हैं' सुनाकर तालियां बटोरीं। उन्होंने कवि गोष्ठी में उपस्थित कबीरपंथी संतों, विचारकों एवं समाजसेवियों के समक्ष अपना मर्मस्पर्शी गीत 'जब आएगा बुलावा तब जाना पड़ेगा, स्वामी जी से सच-सच बताना पड़ेगा' प्रस्तुत की। डॉ. 'सावन' ने मंच संचालन किया। संस्था के संस्थापक रामकेवल चौरसिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में शोक सभा में स्मृतिशेष पद्मश्री साहित्यकार रामदरश मिश्र को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर श्रोतागण के रूप में समाजसेवी मुन्ना यादव, सुभाष दुबे, प्रीति, सुप्रीति चौरसिया, आराधना पांडेय, रामकेवल चौरसिया, उर्मिला देवी, प्रियंका, शैलेश , जालन्धर कुमार संदीप, शैलेंद्र चौरसिया, सत्या , सोना, पिन्टू, वन्दना, उपस्थित रहे।

नौगांवा सादात में गुब्बारे में गैस भरते समय सिलेंडर फटा एक बच्चे की मौत,दो गंभीर रूप से घायल

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात में गुब्बारे की गैस वाला सिलेंडर फटने से दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।बता दें कि रविवार की दोपहर नौगांवा सादात तहसील के मोहल्ला नई बस्ती में गुब्बारे में गैस भरने वाला सिलेंडर अचानक फटने से वहां मौजूद एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना गुब्बारे में गैस भरते समय हुई। पुलिस के मुताबिक गुब्बारे बेचने वाला व्यक्ति सिलेंडर से गुब्बारे में गैस भर रहा था तभी अचानक तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। विस्फोट इतना भयानक था कि आसपास के घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और इलाके में अफरा तफरी मच गई। इस हादसे में 4 वर्षीय अली राजन की मौके पर ही मौत हो गई व एक अन्य बच्चा और गुब्बारे बेचने वाले व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी, सूचना पर पहुंचे राहत और बचाव दल के लोगों ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया है कि घटना का पूरा दृश्य पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

पार्टी के उड़ीसा प्रदेश प्रभारी सहित कांग्रेसियों ने भंते ज्ञानेश्वर को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कसया,। कांग्रेस पार्टी के उड़ीसा प्रदेश प्रभारी अजय कुमार ल्लू सहित कांग्रेसियों ने वर्मी बुद्ध बिहार में रखे भदंत ज्ञानेश्वर के पार्थिव शरीर का दर्शन कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री लल्लू, जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार विश्वकर्मा उर्फ राधे सहित कांग्रेसी वर्मी मंदिर पहुंचे और दिवंगत बौद्ध धर्मगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भंते डॉ नन्द रतन, भंते अशोक, भंते नंदका, भंते उपाली, भंते यशपाल, भिक्षुणी धम्म नैना, राम नगीना, टीके राय सहित उपासक आदि मौजूद थे।

पिता ने बेटी का गला रेता, मां देखती रही

प्रयागराज। ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां लड़कों से बात करने के कारण मां-बाप ने बेटी की हत्या कर दी। मां ने बेटी को खाने में नींद की गोलियां दीं। बेसुध होने पर उसे घर से 200 मीटर दूर खेत में ले जाकर पिता ने उसका गला रेत दिया और मां वहीं देखती रही। इसके बाद दोनों शव वहीं छोड़कर घर लौट आए। सुबह उन्होंने झूठ फैलाया कि तड़के साढ़े पांच बजे बेटी घर से निकली थी और वापस नहीं आई। इसी बीच गांव के लोगों ने लड़की का शव खेत में देखा। पुलिस पहुंची तो मां-पिता रोने का नाटक करने लगे। शुरूआत में पुलिस ने उनकी कहानी पर भरोसा कर लिया। लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई। शक के आधार पर 7 नवंबर को पिता को हिरासत में लिया गया। सख्ती से पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। लड़की की हत्या 5 नवंबर को घूरपुर थाना क्षेत्र के कांटी गांव में हुई। आज अफसर इस पूरे मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं। पुलिस के मुताबिक, कांटी गांव में 5 नवंबर को लड़की सरिता का शव खेत में मिला। ग्रामीणों ने सूचना दी, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक और डॉग स्क्वॉड टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। डॉग ने घटनास्थल पर कुछ देर तलाशी के बाद लड़की के घर पहुंचकर वहीं मंडराना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पिता रमेश से पूछताछ की। रमेश ने शुरूआत में कहा कि बेटी साढ़े पांच बजे घर से निकली और वापस नहीं आई। बाद में पता चला कि उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद वह रोने का नाटक करने लगा। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने मां-बाप के झूठ को उजागर कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि मौत रात में ही हुई थी। मौत लगभग 16 घंटे पहले की थी, जबकि घरवाले बता रहे थे कि वह सुबह 5.30 बजे बाहर निकली थी। पेट में अधपचा चावल मिला, जिससे साफ हो गया कि हत्या खाने के तुरंत बाद की गई थी। यानी सुबह घर से निकलने की कहानी पूरी तरह झूठ थी। इसके बाद पुलिस को लड़की के माता-पिता पर शक हुआ। फिर उसके भाई से बहला-फुसलाकर पूछताछ की गई। भाई ने बताया, मैंने पापा को मना किया था, लेकिन वह नहीं माने। उल्टा मुझे ही धमकाया कि मुंह बंद रख और अपने काम से काम रख इसके बाद लड़की के चाचा से भी पूछताछ की गई, लेकिन उनकी कोई भूमिका नहीं मिली। 7 नवंबर को पुलिस ने पिता रमेश को शक के आधार पर हिरासत में लिया। पहले तो वह बात टालता रहा, लेकिन जब पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और गवाहों के बयानों की वीडियो रिकॉर्डिंग सामने रखी, तो आखिरकार टूट गया। उसने कहा, बेटी कई लड़कों से बात करती थी। दो साल पहले प्रेग्नेंट भी हो गई थी, तब उसका गर्भपात कराया गया था। बहुत समझाया, मारा-पीटा भी, लेकिन वह नहीं मानी।

नदी पार करते समय किसान डूबा

श्रावस्ती। जनपद के सोनवा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर के बेड़सरा गांव में एक किसान की राप्ती नदी में डूबने से मौत हो गई। 55 वर्षीय किसान राम धीरज खेत देखने जा रहे थे, तभी पैर फिसलने से यह हादसा हुआ। ग्रामीणों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से पुलिस ने करीब एक घंटे बाद शव बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बेड़सरा गांव निवासी राम धीरज के कुछ खेत राप्ती नदी के दूसरी तरफ हैं। वहीं इन खेतों में फसल की अब बुवाई भी होनी थी, वहीं किसान अक्सर नदी पार कर खेत देखने जाया करते थे। वहीं आज भी वह घर से खेत देखने की बात कहकर निकले थे।तभी नदी पार करते समय उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गए। पास में मौजूद चरवाहों ने यह घटना देखी और तत्काल गांव में सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचित किया गया, जिसके बाद पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।

स्कूटी पर जा रहे ट्रांसपोर्टर पर गिरा बिजली का खंभा, सिर से छूटा खून का फव्वारा, मौके पर मौत

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आदर्श कॉलोनी में स्कूटर पर जा रहे ट्रांसपोर्टर सुनील कुमार के सिर पर बिजली का खंभा गिर गया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। परिजनों ने हंगामा कर शव नहीं उठाने दिया। सड़क पर खून ही खून बिखरा पड़ा था। आदर्श कॉलोनी निवासी सुनील कुमार की ट्रांसपोर्ट नगर में राजधानी के नाम से ट्रांसपोर्ट है। रविवार दोपहर वह ट्रांसपोर्ट से अपने घर आ रहे थे। इसी बीच उनके ऊपर बिजली का खंभा गिर गया। लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर विद्युत विभाग के कर्मचारी खंभा बदल रहे थे। नया खंभा लगाने के बाद पुराने खंभे को उखाड़कर क्रेन से उठाया जा रहा था। क्रेन का तार टूटने से खंभा ट्रांसपोर्टर सुनील कुमार के ऊपर गिर गया। सुनील के सिर पर खंभा लगने ही खून का फव्वारा छूट गया और वे लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर गए। सूचना पाकर काफी लोग इकट्ठा हो गए। परिजनों ने विभाग विद्युत विभाग अधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए हंगामा किया और शव नहीं उठाने दिया। कुछ लोगों ने बताया कि सूचना देने के एक घंटे बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सुनील को समय से अस्पताल भी नहीं ले जाया जा सका। पुलिस का कहना है कि तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का किया गया आयोजन, 2706 रोगियों का निशुल्क उपचार

संभल(सब का सपना):- जनपद सम्भल में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 226वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया उक्त मेला सत्रों पर 36 चिकित्सकों एवं 128 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2706 रोगियों (पुरुष रोगी- 1062; महिला रोगी- 1027 एवं 617 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 145 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 153 आभा आई.डी. बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 225, चर्म रोग के 358, दमा के 261, मधुमेह रोग के 87, नेत्र रोग से सम्बन्धित 28, उच्च रक्तचाप के 51 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 45 मरीजों की मलेरिया की तथा 30 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 237 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० तरुण पाठक एवं अन्य जनपद एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

मंडी धनौरा में थाना समाधान दिवस के दौरान छः शिकायतें दर्ज

तहसील के उच्चाधिकारियों की गैर मौजूदगी से फरियादी असंतुष्ट

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना मंडी धनौरा में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन कराया गया, समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों द्वारा कुल 6 शिकायत दर्ज की गई। जिनमें से अधिकांश राजस्व संबंधी शिकायतें थी ,हालांकि मौके पर किसी भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। बता दें कि समाधान दिवस में थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार और राजस्व निरीक्षक मनोज कुमार गौतम उपस्थित रहे, लेकिन तहसील के उच्च अधिकारियों की गैर मौजूदगी के कारण वहां मौजूद फरियादियों ने असंतोष व्यक्त किया। वहीं दर्ज की गई शिकायतों में बादशाहपुर गांव निवासी विवेक कुमार ने अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की, गांव डींगरा निवासी नरदेव ने पट्टे की भूमि पर कब्जे का आरोप लगाया, वासीपुर निवासी चरण सिंह ने दबंगों के खिलाफ शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने की बात कही, जबकि पालनपुर निवासी जसवीर सिंह ने तालाब की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने बताया कि सभी शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है, उन्होंने राजस्व कर्मियों को इन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा में भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार, क्षेत्रवाद और जातिवाद को खत्म करने का काम किया: मनोहर लाल

चंडीगढ़ : केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने हमारा संविधान हमारा संविधान जन चेतना ट्रस्ट के पदाधिकारियों को निर्देश दिये कि वे केंद्र व राज्य सरकार की दलित कल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम करें। मनोहर लाल ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की सैकड़ों योजनाएं ऐसी हैं, जिनसे दलित समाज के लोगों को अपना जीवन स्तर ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। इन योजनाओं की जानकारी नहीं होने के अभाव में वास्तविक पात्र लोग उनका लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल नई दिल्ली में हमारा संविधान हमारा संविधान जन चेतना ट्रस्ट के पदाधिकारियों से मुलाकात करने के बाद उन्हें संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया इस संगठन के अध्यक्ष हैं, जिन्होंने पूरे राज्य में जिला स्तरीय संविधान बचाओ सम्मेलन कर दलित समाज के लोगों को भाजपा के साथ जोड़ने की मुहिम चला रखी है। हमारा संविधान हमारा संविधान जन चेतना ट्रस्ट के प्रदेश पदाधिकारियों और सभी जिलों के प्रधानों ने बारी-बारी से अपना परिचय

देकर केंद्रीय मंत्री को संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया। प्रदेश अध्यक्ष सुदेश कटारिया ने जानकारी दी कि सभी जिलों में सम्मेलन पूरे हो चुके हैं, जिसके बाद अब विधानसभा स्तर पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के बारे में कहा कि वे हमेशा दलित, वंचितों और शोषित समाज की आवाज बने और उनके हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे हैं। मनोहर लाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दलितों, शोषितों और वंचितों के नाम पर हमेशा राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने वाली पार्टियां ज्यादा दिन लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ नहीं कर सकती।

ऐसी पार्टियों का अंत तय है, जिसकी तरफ कांग्रेस अग्रसर हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने हरियाणा में भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार, क्षेत्रवाद और जातिवाद को खत्म करने का काम किया है। केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारें वंचित, शोषित और दलित वर्ग के लिए सैकड़ों योजनाओं का संचालन कर रही हैं। अब हमारा संविधान हमारा संविधान जन चेतना ट्रस्ट के पदाधिकारियों का दायित्व है कि वे लोगों को इन योजनाओं के लाभ के लिए आगे लाएं, ताकि सामाजिक क्रांति हो सके। मनोहर लाल ने राज्य में बिना पर्ची और बिना खर्ची के दी जाने वाली सरकारी नौकरियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से वंचित वर्ग के लाखों युवाओं व परिवारों का भला हुआ है।

दिल्ली-गुरुग्राम का सफर महंगा...इस एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली शुरू

हरियाणा : द्वारका एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने रविवार, 9 नवंबर से बिजवासन टोल प्लाजा पर टोल टैक्स वसूली शुरू करने का ऐलान किया है। यह प्लाजा सीधे खेड़की दौला टोल से जुड़ा रहेगा, जिससे अब दिल्ली से गुरुग्राम आने-जाने वालों को दोनों टोल प्लाजा पर फास्टैग के माध्यम से शुल्क देना होगा। एनएचएआई के अनुसार, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने दोनों टोलों के बीच संयुक्त व्यवस्था लागू की है। 24 घंटे के भीतर एक ही दिशा में यात्रा करने वाले वाहन चालकों को दूसरे टोल पर केवल अंतर की राशि चुकानी होगी। यह प्रक्रिया पूरी तरह फास्टैग से स्वचालित होगी ताकि यात्रियों से अतिरिक्त

वसूली न हो सके।

मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि यदि कोई वाहन अपनी निर्धारित क्षमता से अधिक वजन लेकर चलेगा, तो उस पर सामान्य दर से 10 गुना अधिक शुल्क लगाया जाएगा। अतिरिक्त वजन उतरवाने के बाद ही वाहन को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। द्वारका एक्सप्रेसवे से सटे 20 किमी के दायरे में आने वाले स्थानीय लोगों के लिए एनएचएआई ने विशेष राहत दी है। इस क्षेत्र के वाहन चालक 340 रुपये में मासिक पास प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे महीने भर बिना अतिरिक्त शुल्क के एक्सप्रेसवे का उपयोग कर सकेंगे।द्वारका एक्सप्रेसवे पर कुल 29 किलोमीटर की दूरी तय करने पर कार या हल्के वाहन चालकों को 220 रुपये का टोल देना होगा। यह दरें रविवार से लागू हो जाएंगी।

मनीषा मौत मामले की गुत्थी 76 दिन बाद भी अनसुलझी, रहस्य से पर्दा नहीं उठा पा रही सीबीआई

हरियाणाः मनीषा मौत मामले की गुत्थी 76 दिन बाद भी अनसुलझी है। 65 दिन सीबीआई जांच के बाद भी रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। मनीषा के पिता संजय और पूरा परिवार बेटी की हत्या का दावा कर रहे है जबकि सीबीआई की जांच हत्या और आत्महत्या के बीच उलझी है। बेटी को खोने की पीड़ा झेल रहे परिवार के लिए न्याय का इंतजार बढ़ता जा रहा है।सीबीआई के अधिकारी दिल्ली लौट चुके हैं। मनीषा के पिता का कहना है कि वे लगातार सीबीआई से फोन पर बात कर अपडेट ले रहे हैं। अधिकारी इस मामले में उन्हें भी कुछ ज्यादा नहीं बता रहे हैं, केवल जांच जारी रहने का आश्वासन ही दे रहे हैं। सीबीआई अब तक तथ्यों को खंगालने के अलावा सभी गवाहों से पूछताछ कर चुकी है। गांव ढाणी लक्ष्मण निवासी मनीषा 11 अगस्त को घर से लापता हुई थी। 13 अगस्त

को सिंघानी नहर के पास उसका शव मिला था।

पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मनीषा की मौत तेजधार हथियार से गला रेतकर की गई हत्या बताई गई थी जबकि रोहतक पीजीआई की दूसरी रिपोर्ट में इसे आत्महत्या बताया गया। हत्या से आत्महत्या की थ्योरी पर घूम रही यह जांच अब भी किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंची है। परिजनों और विभिन्न संगठनों ने मनीषा के आत्महत्या करने की बात को सिरे से नकारा। इस मामले में अब लोकल पुलिस की भूमिका समाप्त हो चुकी है और केस तीन सितंबर से ही सीबीआई के हाथों सौंपा जा चुका है।

पांच दिन में दूसरी बार टूटी इस जिले में नहर, किसानों की फसलों को भारी नुकसान

रेवाड़ीः गांव नांगल मूंदी में बेरली-लाधूवास नहर के पांच दिन में दूसरी बार टूटने से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। नहर टूटने से खेतों में पानी भर गया और करीब 30 एकड़ से अधिक रकबे की फसल जलमग्न हो गई। गांव के किसान रामपाल सरपंच, बाबूलाल नंबरदार, विनोद पंच, उजाला, शुभराम, श्रीचंद, शारदा देवी, भीखाराम, सत्यनारायण, शिवलाल, करण सिंह, हेमू पंच, हंसराम, सोना देवी, सत्तू, रतन सिंह, सज्जन सिंह, शमशेर सिंह और राजीव पंच सहित अन्य किसानों ने बताया कि नहर के टूटने से लगभग 20 एकड़ सरसों और 5 एकड़ गेहूं की फसल पूरी तरनांगलमूंदी(रेवाड़ी)। गांव नांगल मूंदी में बेरली-लाधूवास नहर के पांच

दिन में दूसरी बार टूटने से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। नहर टूटने से खेतों में पानी भर गया और करीब 30 एकड़ से अधिक रकबे की फसल जलमग्न हो गई। गांव के किसान रामपाल सरपंच, बाबूलाल नंबरदार, विनोद पंच, उजाला, शुभराम, श्रीचंद, शारदा देवी, भीखाराम, सत्यनारायण, शिवलाल, करण सिंह, हेमू पंच, हंसराम, सोना देवी, सत्तू, रतन सिंह, सज्जन सिंह, शमशेर सिंह और राजीव पंच सहित अन्य किसानों ने बताया कि नहर के टूटने से लगभग 20 एकड़ सरसों और 5 एकड़ गेहूं की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। किसानों ने बताया कि पिछले सप्ताह भी नहर टूटी थी जिसे अस्थायी रूप से ठीक किया गया था लेकिन मरम्मत कार्य की गुणवत्ता खराब होने के कारण कुछ ही दिनों में दोबारा टूट गई। इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है। किसानों ने प्रशासन से अपील की है कि मौके पर संबंधित अधिकारियों को भेजकर नुकसान का सर्वे करवाया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलवाया जाए। उन्होंने यह भी मांग की है कि नहर की स्थायी मरम्मत करवाई जाए ताकि भविष्य में फसलों को नुकसान से बचाया जा सके।ह से नष्ट हो गई है। किसानों ने बताया कि पिछले सप्ताह भी नहर टूटी थी जिसे अस्थायी रूप से ठीक किया गया था लेकिन मरम्मत कार्य की गुणवत्ता खराब होने के कारण कुछ ही दिनों में दोबारा टूट गई। इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है। किसानों ने प्रशासन से अपील की है कि मौके पर संबंधित अधिकारियों को भेजकर नुकसान का सर्वे करवाया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलवाया जाए। उन्होंने यह भी मांग की है कि नहर की स्थायी मरम्मत करवाई जाए ताकि भविष्य में फसलों को नुकसान से बचाया जा सके।

सिरसा में सब इंस्पेक्टर और एएसआई पर केस,एडीजीपी ने इस शिकायत पर की सख्त कार्रवाई

सिरसा : सिरसा में दुष्कर्म से जुड़े एक मामले में समझौता कराने के आरोप में पुलिस विभाग के 2 अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने सब इंस्पेक्टर जगदीश चंद्र और एएसआई विजय कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के तहत

मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, सीआईडी चीफ एडीजीपी सौरभ सिंह को मिली शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, सिरसा अनाज मंडी निवासी कारोबारी पवन बंसल पर 31 अक्तूबर को पंजाब के सरदूलगढ़ क्षेत्र की एक महिला ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि एएसआई विजय कुमार की पवन बंसल से पुरानी जान-पहचान थी। पवन बंसल ने विजय से महिला के साथ समझौता करवाने की बात कही, जिसके बाद विजय ने जांच अधिकारी रकजगदीश चंद्र से संपर्क किया। दोनों अधिकारियों ने कथित तौर पर महिला से संपर्क कर 2 लाख 30 हजार रुपये में समझौता करा दिया। इसी दौरान पवन बंसल ने पैसे के लेनदेन का वीडियो बना लिया और बाद में महिला द्वारा दोबारा रुपये मांगने पर एडीजीपी सौरभ सिंह को वीडियो साक्ष्य सहित शिकायत भेज दी। शिकायत की जांच के बाद विभाग ने दोनों पुलिसकर्मियों पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर लिया है।

यमु नानगर में रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर ने की आत्महत्या, लाइसेंसी दु नाली से मारी खु द को गोली

यमुनानगरः जिले के व्यासपुर क्षेत्र के धर्मकोट गांव में रविवार सुबह रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर कंवर सिंह ने अपनी लाइसेंसी दुनाली से आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह पिछले कई दिनों से मानसिक और व्यक्तिगत परेशानियों से जूझ रहे थे। सूत्रों ने बताया कि कंवर सिंह घर के पास बने बाड़े में गए और दुनाली को जमीन पर रखकर पैर के अंगूठे से ट्रिगर दबाया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लैब (ऋह्रछ) की टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को सिविल अस्पताल यमुनानगर भेजा गया, जहां पंचनामा भरने के बाद शव को शवगृह में रखवाया गया।

व्यासपुर थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि सुबह सुसाइड की सूचना मिली थी।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आत्महत्या में प्रयुक्त दुनाली को कब्जे में ले लिया गया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है, हालांकि परिजनों ने बताया कि कंवर सिंह पिछले कुछ दिनों से तनाव में थे। बताया जा रहा है कि रिटायर्ड एसआई की दो बेटियां हैं, दोनों की शादी हो चुकी है। उनका कई वर्षों से अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था, जिसके चलते वे घर में अलग रहते थे और अपना खाना भी स्वयं बनाते थे। रिटायरमेंट के बाद वे अपनी 6झ्र 7 किले जमीन पर खेती किया करते थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गु रुग्राम में 11वीं के छात्र ने साथी पर की फायरिंग, 2 महीने पहले दोनों में हु ई थी कहासु नी

गुरुग्राम : हरियाणा में क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है जहां सेक्टर-48 क्षेत्र में बीती देर रात 17 वर्षीय छात्र ने अपने ही साथी को गोली मार दी। जिससे साथी गंभीर घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 2 आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। उससे एक पिस्टल, 2 मैगजीन और 70 कारतूस बरामद किए हैं। मौके से एक खोल भी मिला है।

जानकारी के मुताबिक नाबालिग आरोपी छात्र के पिता प्रॉपर्टी डीलर हैं। उनकी लाइसेंसी पिस्टल से ही आरोपी ने गोली चलाई है। उसे कब्जे

में ले लिया गया है।

घायल छात्र की मां ने बताया कि उसका बेटा कक्षा 11वीं में पढ़ता है। उसका साथी उसे मिलने के लिए बुलाने आया था। पहले तो उसने मना किया, लेकिन दोस्त के जोर देने पर वह चला गया, आरोपी उसे अपने घर सेक्टर-48 ले गया। वहीं पीड़ित की मां ने बताया कि करीब 2 महीने पहले इन दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके चलते आरोपी छात्र ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर शनिवार को उसे गोली मार दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

खाकी वर्दी को सलाम! 10 घंटे में चोरी के आरोपी किया गिरफ्तार, पुलिस ने ऐसे बनाया पूरा प्लान

कैथल : शहर थाना पुलिस ने न्यू जनता मार्केट में शुक्रवार की रात हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए मात्र 10 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर अपनी मुस्तैदी का परिचय दिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे धर दबोचा। इस कार्रवाई के बाद बाजार के दुकानदारों ने राहत की सांस ली और थाना शहर पुलिस की तत्परता की सराहना की। दुकानदारों ने कहा कि पुलिस की तेज कार्रवाई से आमजन का भरोसा और मजबूत हुआ है। उन्होंने थाना शहर पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि अगर इसी तरह की तत्परता बनी रही, तो अपराधियों में भय और आम लोगों में सुरक्षा की भावना और बढ़ेगी। बता दें कि शुक्रवार की देर रात न्यू जनता मार्केट में अज्ञात चोरों ने एक साथ कई दुकानों के ताले तोड़ दिए थे। अमित कुमार पुत्र केवल तनेजा, जो दाल-चावल की दुकान चलाते हैं, ने बताया कि उसकी दुकान का शटर तोड़कर चोरी की गई और चोरों ने सीसीटीवी कैमरे का वायर

और कवर भी उखाड़ दिया। उन्होंने बताया कि चोरी की घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसमें एक युवक सीढ़ी लेकर दुकानों की छत पर चढ़ते हुए स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। फुटेज की बारीकी से जांच करने पर युवक की पहचान रामनगर निवासी रजत के रूप में हुई। इसके बाद थाना शहर पुलिस प्रभारी एसएचओ गीता के नेतृत्व में पीएसआई जॉनी की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शहर और आसपास के इलाकों में दबिश दी। सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी को 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रजत पहले भी चोरी के मामलों में संलिप्त रह चुका है और हाल ही में जमानत पर बाहर आया था। आरोपी से पूछताछ के दौरान कई अन्य वारदातों के बारे में भी जानकारी मिली है, जिनकी जांच जारी है। इसी मार्केट में अन्य दुकानदारों के यहां भी चोरी हुई थी। प्रवीण कुमार की खाद्य सामग्री की दुकान से करीब 25 हजार रुपए का सामान चोरी हुआ, जबकि जितेंद्र तनेजा की दुकान से लगभग 3 हजार रुपए का ए.सी. वायर चोरी किया गया था। एसएचओ गीता ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और चोरी किए गए सामान को बरामद करने के लिए पुलिस टीमों को रवाना किया

खबर एक्सप्रेस

ड्यूटी पर जाने के लिए कर रहा था बस को इंतजार, बस तो आई नहीं मिल गई मौत...बुजुर्ग के साथ हुआ हादसा

अंबालाः सड़क हादसे में बुजुर्ग सुदेश कुमार की मौत हो गई। पुलिस ने सपेहड़ा गांव निवासी बेटे रजनीश की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। रजनीश ने बताया कि वह अंबाला सिटी में प्राइवेट नौकरी करता है और उनके पिता औद्योगिक क्षेत्र महेशनगर में काम करते थे। रोजाना की तरह शुक्रवार को सुबह वह सुबह लगभग 7:30 बजे अपनी ड्यूटी पर सिटी जाने के लिए खुड्डा कलां गांव के बस अड्डे पर खड़ा था। इस दौरान उसके पिता सुदेश कुमार भी रोजाना की तरह अपनी साइकिल पर औद्योगिक क्षेत्र जा रहे थे। उसी समय अंबाला कैंट की तरफ से आए एक कार चालक ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी, इससे उसके पिता सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान कार चालक कुछ देर के लिए मौके पर रुका और भीड़ एकत्रित होते ही वह भाग गया। इसके बाद डायल 112 की मदद से पिता को नागरिक अस्पताल लेकर आए, लेकिन यहां डाक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बल्लभगढ़ में सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में बोले धीरेंद्र शास्त्री, यह देश सनातनियों का है

फरीदाबाद : बल्लभगढ़ में रविवार को सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के पहुंचने पर विशाल जनसमूह उमड़ पड़ा। बागेश्वर धाम पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को देखने के लिए लाखों की संख्या में भक्त बल्लभगढ़ के

दशहरा मैदान पहुंचे। पदयात्रा के आगमन पर बल्लभगढ़ की जनता ने भव्य तरीके से स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, यह यात्रा आज अपने तीसरे दिन पर है। पदयात्रा फरीदाबाद के दशहरा मैदान से प्रारंभ हुई और दोपहर का विश्राम बल्लभगढ़ के दशहरा मैदान में निर्धारित था। जैसे ही यात्रा वहां पहुंची, लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई और मैदान जयघोषों से गूंज उठा। इस अवसर पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का उद्देश्य लगभग 80 करोड़ हिंदुओं को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा तीन राज्यों दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में निकाली जा रही है ताकि समाज में सनातन धर्म के प्रति एकता और जागरूकता का संदेश दिया जा सके। शास्त्री ने कहा, यह देश सनातनियों का है, तनातनियों का नहीं। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया।

हरियाणा के हिसार एयरपोर्ट में नया विंटर शेड्यूल जारी, जयपु र, अयोध्या और दिल्ली के लिए फ्लाइट बढ़ीं

हरियाणा : हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे को देश के हवाई नेटवर्क में और मजबूत बनाने की तैयारी चल रही है। इस साल 26 अक्टूबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक चलने वाले विंटर सीजन में हिसार में उड़ानों की संख्या पिछले साल की तुलना में लगभग 6% बढ़ाई जाएगी। हालांकि नया फ्लाइट शेड्यूल 26 नवंबर से लागू होगा। नए शेड्यूल के लागू होने से हिसार हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे यात्रियों को अन्य शहरों के लिए सीधी उड़ानें मिलेंगी और एयरलाइंस को नए रूट पर ऑपरेशन करने का अवसर मिलेगा। इससे दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे शहरों को ग्लोबल एविएशन हब बनने में मदद मिलेगी। महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट में नया विंटर शेड्यूल 26 नवंबर से लागू होगा। इसके तहत हिसार-जयपुर, हिसार-अयोध्या और हिसार-दिल्ली फ्लाइट अब सप्ताह में दो बार संचालित होंगी। वहीं हिसार-चंडीगढ़ फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन उड़ान भरेगी। पहले हिसार-अयोध्या, हिसार-दिल्ली और हिसार-जयपुर फ्लाइट केवल सप्ताह में एक दिन ही उड़ान भरती थीं। चंडीगढ़ फ्लाइट सप्ताह में दो दिन यानी बुधवार और शनिवार उड़ान भरती थी। फिलहाल हिसार से जम्मू और अहमदाबाद के लिए नई फ्लाइट शुरू करने की योजना नहीं बनाई गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, नया शेड्यूल एयरलाइंस के रीजनल कनेक्टिविटी विस्तार और टियर-2 व टियर-3 शहरों में बेहतर कनेक्टिविटी पर केंद्रित है। हिसार, अमरावती, पूर्णिया और रूपसी के जुड़ने से स्थानीय और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। देशभर के 126 हवाई अड्डों से कुल 26,495 साप्ताहिक उड़ानों को मंजूरी दी गई है। ग्रीष्मकालीन अनुसूची 2025 में 129 हवाई अड्डों से 25,610 उड़ानों का संचालन हुआ था। हिसार और अमरावती जैसे नए हवाई अड्डे रीजनल कनेक्टिविटी के विस्तार को दशार्ते हैं। वहीं सर्दियों के मौसम में अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट, भावनगर, लुधियाना, पाकयोंग और श्रावस्ती हवाई अड्डों पर फ्लाइट संचालन स्थगित कर दिया गया है।

ऑपरेशन ट्रेकडाउन के तहत रेवाड़ी पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 5 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

रेवाड़ी : पुलिस महानिदेशक हरियाणा ओ.पी. सिंह (आईपीएस) के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रेकडाउन के अंतर्गत, पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी हेमेंद्र कुमार मीणा (आईपीएस) के

कुशल मार्गदर्शन में कार्य करते हुए सीआईए धारूहेड़ा इंचार्ज निरीक्षक योगेश हुड्डा की टीम ने अपहरण एवं लूट के मामले में वांछित एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला कोटपुतली-बहरोड़ के गांव गंडाला निवासी कर्मवीर उर्फ मोनू के रूप में हुई है, जिस पर पुलिस ने 5000 रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। गांव मुरादपुरी निवासी हरीश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 7 मई की रात वह होटल में खाना खाने के बाद घर लौट रहा था। जब उसने अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी घर के पास खड़ी की और गाड़ी का लॉक चेक करने वापस गया, तो वहां तीन-चार युवक खड़े थे। इन युवकों ने उसे जबरन उसकी ही गाड़ी में बिठा लिया और मारपीट कर मोबाइल फोन छीन लिया। आरोपियों ने यूपीआई पिन नंबर पूछकर उसके बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर किए और जेब से 13,000 रुपए निकाल लिए। बाद में आरोपी उसे शाहजहापुर के पास सुनसान जगह पर छोड़कर उसकी गाड़ी, एटीएम और अन्य कागजात लेकर फरार हो गए। इस मामले में थाना कसौला में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी कर्मवीर उर्फ मोनू फरार हो गया था, जिस पर इनाम घोषित किया गया था। सीआईए धारूहेड़ा टीम में नियुक्त एएसआई चंद्रवीर ने शनिवार को अपनी टीम के साथ आरोपी को दबोच लिया। अदालत में पेश करने के बाद आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले भी गुरुग्राम, इटावा (उत्तर प्रदेश), नारनोल और मांढण (राजस्थान) में एक्साइज एक्ट, लूट, मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे 6 मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि इस प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जारी शटडाउन का बुरा असर विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। शुक्रवार (07 नवंबर) को पूरे अमेरिका में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) एयरलाइंस देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर धीरे-धीरे उड़ानों में कटौती कर रही है। आदेश के अनुसार एफएए द्वारा उड़ानों में कटौती के लिए चुने गए 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हुए हैं। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देश भर में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं, जो कि गुरुवार को रद्द की गई संख्या से चार गुना अधिक है। फ्लाइटअवेयर के अनुसार शिकागो, अटलांटा, डेनवर, डलास और फीनिक्स के हवाई अड्डों पर सबसे ज्यादा व्यवधान हुए। एफएए ने उड़ानों में कटौती की यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी को कम करने के लिए उठाया है। बता दें कि कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन को 60 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई नागरिक अधिकार कानूनों की व्याख्या को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय को उसकी फेडरल फंडिंग बहाल हो जाएगी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष माइकल कोटलिकॉफ ने शुक्रवार को इस समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता को बरकरार रखता हुए सरकार द्वारा रोकी गई 250 मिलियन डॉलर से अधिक की शोध फंडिंग को फिर से चालू करेगा। समझौते के अनुसार, विश्वविद्यालय 30 मिलियन डॉलर सीधे अमेरिकी सरकार को और 30 मिलियन डॉलर अमेरिकी किसानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए देगा।

एक और बंधक के अवशेष गाजा ने रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि एक बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए हैं। मौजूदा युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने 22 बंधकों के शव लौटा दिए हैं। अगर यह पुष्टि हो जाती है कि ये शव किसी और बंधक के हैं, तो गाजा में अभी भी पांच अन्य बंधकों के अवशेष बचे रहेंगे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और फलिस्तीनी उग्रवादी समूह के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है। हमास की सैन्य शाखाओं ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में एक बंधक का शव मिला।

प्रतिबंध हटा, जापान ने चीन को फिर शुरू किया सीफूड निर्यात

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को बताया कि फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से उपचारित रेडियोधर्मी पानी छोड़े जाने के कारण लगे प्रतिबंध के दो साल बाद चीन के लिए सीफूड का निर्यात फिर से शुरू हो गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि बुधवार को होक्काइडो से 6 मीट्रिक टन स्कैलप्स चीन भेजे गए। चीन ने अगस्त 2023 में जापानी सीफूड पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। किहारा ने इस कदम को सकारात्मक बताया और चीन से बाकी प्रतिबंधों को भी हटाने का आग्रह किया।

हंगरी को रूस से तेल-गैस खरीदने की मिली छूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने हंगरी को रूस से तेल और गैस खरीदने पर लगी पाबंदियों से पूरी तरह छूट दे दी है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद लिया गया है। इस बैठक के दौरान ट्रंप और ऑर्बन ने एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। ऑर्बन ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना चमत्कार जैसा होगा, जिससे यह साफ दिखा कि उनका रुख बाकी यूरोपीय नेताओं से अलग है। ट्रंप ने हंगरी के प्रवासन नीति की भी प्रशंसा की और कहा कि यूरोपीय यूनियन को ऑर्बन का अधिक सम्मान करना चाहिए। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस छूट को ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बताया। ट्रंप ने कहा कि हंगरी समुद्र से घिरा देश नहीं है और तेल-गैस पाइपलाइन पर निर्भर है, इसलिए उसे छूट दी गई। ऑर्बन ने पहले ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के लिए बुडापेस्ट में शिखर सम्मेलन की पेशकश की थी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान शांति वार्ता फिर विफल, सीमा पार आतंक पर नहीं बनी बात

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी तीसरे दौर की शांति वार्ता बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई। दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई को लेकर मतभेद कायम रहे। पाकिस्तान की ओर से रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बताया कि वार्ता में कोई लिखित समझौता नहीं हो सका और अब चौथे दौर की कोई योजना भी नहीं है। दो दिन तक चली ये वार्ता बृहस्पतिवार को शुरू हुई थी। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान से यह मांग की थी कि वे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के उन आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करें जो अफगान धरती से पाकिस्तान पर हमले कर रहे हैं।

पूरा गतिरोध, अफगान पक्ष नहीं देना चाहता लिखित आश्वासन : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा वार्ता पूरी तरह गतिरोध में है। अफगान पक्ष सिर्फ मौखिक भरोसा देना चाहता था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में मौखिक आश्वासन स्वीकार नहीं किए जा सकते। उन्होंने तुर्किये और कतर के ईमानदार प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, जो दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहे थे। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का रुख स्पष्ट है हमारी केवल एक मांग है कि अफगानिस्तान यह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में न हो। आसिफ ने यह भी कहा कि अगर अफगान धरती से कोई हमला होता है, तो पाकिस्तान जवाब देगा।

सूचना मंत्री का बयान- अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने शनिवार सुबह एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की है कि वे आतंकवाद पर नियंत्रण को लेकर अपने अंतरराष्ट्रीय और द्विपक्षीय वादों को पूरा करें, जिनमें वे अब तक असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अफगान जनता से कोई वैर नहीं है, लेकिन वह किसी भी ऐसी नीति का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान लोगों या पड़ोसी देशों के हितों के खिलाफ हो।

तीन दौर की वार्ता और हर बार नाकामी : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच पहली वार्ता 29 अक्टूबर को दोहा (कतर) में हुई थी, जबकि दूसरी बैठक 25 अक्टूबर को इस्तांबुल (तुर्किये) में आयोजित हुई। दोनों ही वार्ताएं किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचीं। अब तीसरा दौर भी बेनतीजा रहा है। इससे पहले 11 से 15 अक्तूबर के बीच दोनों देशों की सीमा पर सशस्त्र झड़पें हुई थीं, जिनमें दोनों ओर जनहानि हुई थी।

दोहा और इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता दोनों देशों ने 19 अक्तूबर को कतर की राजधानी दोहा में सीजफायर पर सहमति जताई थी, लेकिन शर्तों को अंतिम रूप देने में मतभेद बने रहे। इसके बाद 25 अक्तूबर को इस्तांबुल में दूसरी वार्ता हुई और इसके बाद तीसरे दौर की बातचीत गुरुवार को शुरू हुई है। इस वार्ता में तुर्किये और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से बातचीत का नेतृत्व आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक कर रहे हैं, जबकि अफगान पक्ष से जनरल अब्दुल हक वासिक, उप गृहमंत्री रहमतुल्लाह नजीब और प्रवक्ता सुहैल शाहीन शामिल हैं।

तुर्किये की मध्यस्थता से बची वार्ता पिछली बातचीत में स्थिति गंभीर होती दिख रही थी, लेकिन तुर्किये की पहल से तीसरे दौर की वार्ता तय हो सकी। तुर्की विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने सीजफायर जारी रखने और निगरानी तंत्र बनाने पर सहमति जताई है। वहीं पाकिस्तान का कहना है कि अफगान भूमि से उसके खिलाफ आतंकी हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अफगानिस्तान में टीटीपी के लड़ाकों को पनाह दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बात से समाधान नहीं निकला तो पाकिस्तान कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

तुर्किये की अदालत ने इस्राइली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट, 37 अन्य लोगों के भी नाम

तेल अवीव , एजेंसी। तुर्किये के इस्तांबुल मुख्य अभियोजक कार्यालय ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 लोगों के खिलाफ जनसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन आरोपों का संबंध गाजा में चल रहे युद्ध से है, जिसे इस्राइल ने अक्तूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद शुरू किया था। किन-किन लोगों के खिलाफ वारंट जारी? इस्तांबुल अभियोजन कार्यालय के बयान के मुताबिक, जिन लोगों पर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, उनमें इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज, आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जमीर, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-गवीर के शामिल हैं। तुर्किये का आरोप क्या है? तुर्किये के अभियोजकों ने दावा किया है कि इस्राइल गाजा में नागरिकों को जानबूझकर निशाना बना रहा है, और यह कार्रवाई जनसंहार की श्रेणी में आती है। उन्होंने 17 अक्तूबर 2023 की अल-अहली बैपटिस्ट हॉस्पिटल की घटना को भी अपने आरोपों का हिस्सा बनाया है। हालांकि, इस्राइल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने बाद में यह निष्कर्ष निकाला था कि यह विस्फोट फलस्तीनी आतंकी संगठन इस्लामिक जिहाद के रॉकेट की विफल लॉन्चिंग से हुआ था, न कि इस्राइल के हमले से। तुर्किये का दोहरा रवैया तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप

तैयप एर्दोगन लंबे समय से हमास के समर्थक माने जाते हैं। इसी के साथ, तुर्किये की न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी सवाल उठते रहे हैं। अतीत में तुर्किये के कई पत्रकारों और विपक्षी नेताओं, जैसे कि एकरेम इमामओग्लू (जो इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं), के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। तुर्की पर खुद जनसंहार का आरोप बता दें कि 1915 से 1923 के बीच तुर्किये पर अपने ही देश में 15 लाख आर्मेनियाई लोगों के जनसंहार का आरोप है। इस अवधि में लाखों आर्मेनियाई मारे गए या भुखमरी से मर गए, जबकि लगभग पांच लाख लोग रूस की ओर पलायन कर गए। अमेरिका, कनाडा, रूस और यूरोपीय संघ के अधिकांश देश इस आर्मेनियाई जनसंहार को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हैं।

हालांकि, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल जैसे देश अब तक इसे औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देते, क्योंकि तुर्की के साथ उनके राजनयिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

फादर ऑफ डीएनए प्रसिद्ध नोबेल विजेता जेम्स वॉटसन का निधन, 97 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

वॉशिंगटन, एजेंसी। नोबेल विजेता और दुनियाभर के प्रसिद्ध वैज्ञानिक जेम्स डी वाटसन का 97 साल की उम्र में निधन हो गया। वे 1953 में डीएनए की ट्विस्टेड-लैडर संरचना (डबल हेलिक्स) की खोज के लिए जाने जाते हैं, जिससे चिकित्सा, अपराध जांच, जीनोलॉजी और नैतिकता के क्षेत्र में क्रांति आई।

वाटसन ने फ्रांसिस क्रिक और मॉरिस विल्किन्स के साथ 1962 में नोबेल पुरस्कार साझा किया। उनकी खोज से यह पता चला कि डीएनए कैसे वंशानुगत जानकारी रखता है और कोशिकाएं विभाजन के दौरान इसे कैसे कॉपी करती हैं। डबल हेलिक्स ने विज्ञान और समाज में गहरा प्रभाव डाला और अब यह संरचना विज्ञान का प्रतीक बन गई है।

विज्ञान को किसी पर भी बराबर गोना चाहिएए : हालांकि, जीवन के अंतिम वर्षों में वाटसन विवादित बयान देने के लिए आलोचना और पेशेवर निंदा का सामना कर चुके। उन्होंने अश्वेत लोगों की बुद्धिमत्ता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। 2007 में विवाद बढ़ने के बाद उन्हें कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लैब से निलंबित कर दिया गया। वाटसन ने विज्ञान में और कोई बड़ा प्रयोगात्मक योगदान नहीं दिया, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली पुस्तकें लिखीं, मानव जीनोम परियोजना में मार्गदर्शन किया और कई युवा वैज्ञानिकों को बढ़ावा दिया। उनके वैज्ञानिक योगदान और विवादित बयान उनके जटिल विरासत का हिस्सा हैं।

मामले में नस्लवाद टिप्पणी से नाराज : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर फ्रांसिस कॉलिंस ने कहा, वाटसन के दृष्टिकोण उनके शानदार वैज्ञानिक ज्ञान के अनुरूप नहीं थे और उनकी नस्लीय टिप्पणियां गलत और हानिकारक थीं। उनकी आत्मकथा 'द डबल हेलिक्स' में उन्होंने विज्ञान में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम, बुद्धिमत्ता और चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी।

अमेरिकी चुनाव 2016 विवाद: रूसी दखलअंदाजी मामले में नई जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी रूस जांच को लेकर एक नई जांच शुरू की है। इस जांच के तहत विभाग ने बड़ी संख्या में समन जारी किए हैं। ये समन उस सरकारी जांच से संबंधित हैं जो 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूस की दखलअंदाजी को लेकर की गई थी।

क्या है मामला : 2016 के चुनाव में रूस पर आरोप था कि उसने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की थी, ताकि डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिल सके और हिलेरी क्लिंटन को नुकसान पहुंचे। इस आरोप की जांच ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने की थी और जनवरी 2017 में एक रिपोर्ट जारी की थी। अब ट्रंप प्रशासन उसी रिपोर्ट की दोबारा पड़ताल करवा रहा है। इस बार समन फ्लोरिडा के सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से जारी हुए हैं। इनका मकसद यह पता लगाना है कि 2017 की उस रिपोर्ट की तैयारी में किन बातों

को आधार बनाया गया था और क्या उसमें किसी तरह की राजनीतिक पक्षपात की भूमिका रही थी।

किन लोगों को भेजे गए समन : हालांकि सभी नाम अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों को समन मिले हैं उनमें जॉन ब्रेनन, पूर्व सीआईए निदेशक; पीटर स्ट्रजक, एफबीआई के पूर्व काउंटर इंटेलिजेंस अधिकारी; लिसा पेज, एफबीआई की पूर्व वकील शामिल हैं। पीटर स्ट्रजक और लिसा पेज, दोनों रूस जांच में शामिल थे और बाद में ट्रंप के खिलाफ निजी संदेशों के कारण विवादों में आए थे। स्ट्रजक को बर्खास्त किया गया था जबकि पेज ने इस्तीफा दे दिया था। बताया जा रहा है कि करीब 30 समन जारी किए जाने की योजना है।

आरोपों का साफ नकार चुके हैं ट्रंप : ट्रंप पहले भी बार-बार इस जांच को राजनीतिक साजिश करार दे चुके हैं। वे मानते हैं कि यह जांच उनके खिलाफ बनाई गई साजिश थी। म्यूलर रिपोर्ट और अन्य कई सरकारी जांचों में यह पाया गया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप या उनके सहयोगियों का रूस के साथ सीधा साजिशी संबंध साबित नहीं हुआ। अब, व्हाइट हाउस में दोबारा लौटने के बाद ट्रंप प्रशासन इस पुराने मामले को फिर से खंगाल रहा है। वर्तमान एफबीआई निदेशक काश पटेल, सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस जांच से जुड़े पुराने दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के पक्ष में हैं। जुलाई में जारी सीआईए रिपोर्ट में कहा गया था कि 2017 की मूल रिपोर्ट में कुछ तकनीकी खामियां थीं, और स्टील डॉसियर को शामिल करने से विश्लेषण की निष्पक्षता प्रभावित हुई थी।

विदेश मंत्री लावरोव के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मतभेद नहीं.., क्रेमलिन ने अटकलों को किया खारिज

मॉस्को, एजेंसी। क्रेमलिन ने शुक्रवार को उस दावे को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मतभेद चल रहे हैं। लावरोव को पुतिन के सबसे वफादार नेताओं में से एक माना जाता है। आज एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, इस तरह की रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है कि लावरोव अब पुतिन की पसंद से बाहर हो गए हैं। बेशक, लावरोव अब भी विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। पांच नवंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की टेलीविजन

प्रसारित बैठक में लावरोव गैरहाजिर रहे। जिसके बाद इस तरह के दावे किए जाने लगे किए पुतिन के उनके साथ मतभेद चल रहे हैं। ड्यूमा स्पीकर की पहल पर क्रेमलिन की शीर्ष समिति ने इस संभावना पर चर्चा की कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध वाले समझौते से बाहर निकलता है, तो रूस फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने पर विचार कर सकता है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 20 अक्तूबर को लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच बातचीत के बाद रूस-अमेरिका शिखर बैठक और रूस-यूक्रेन के बीच की वार्ताएं रद्द कर दी गईं। रूस के कोमर्सांट बिजनेस डेली अखबार ने पेस्कोव के हवाले से कहा, यूक्रेन और यूरोप की तरफ से की गई उकसाने वाली कार्रवाइयों के कारण बातचीत की प्रक्रिया में बाधा आई है, जिससे समाधान की गति धीमी पड़ गई है। रूस और यूक्रेन के बीच भरोसे की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि हंगरी में रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए गहन और सावधानीपूर्वक तैयारी की जरूरत है। दोनों पक्ष किसी स्तर पर बुडापेस्ट में वार्ता आयोजित करने में रुचि रखेंगे। पेस्कोव ने कहा कि बुडापेस्ट में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के समय को लेकर की जा रही भविष्यवाणियां बेबुनियाद हैं।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 समिट का किया बहिष्कार, कोई भी अमेरिकी अधिकारी नहीं होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद अब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि जी20 शिखर सम्मेलन में कोई भी अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इसके पीछे का कारण वहां श्वेत किसानों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बताया है। दक्षिण अफ्रीका से नाराज चल रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जी20 समिट के बहिष्कार का एलान किया है। ट्रंप पहले ही कह चुके थे कि वे खुद इस महीने के आखिर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भेजे जाने की योजना थी, लेकिन अब वे भी दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे।

जेडी वेंस भी नहीं जाएंगे दक्षिण अफ्रीका : ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह 22-23 नवंबर को दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद ट्रंप की जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति, जिन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, ÷यह एक पूरी तरह से अपमानजनक है कि जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है।÷ उन्होंने अपने पोस्ट में अफ्रीकानर समुदाय (दक्षिण अफ्रीका के श्वेत किसान)

के साथ ÷दुर्व्यवहार÷ का आरोप लगाया, जिसमें हिंसा, हत्या के साथ-साथ उनकी जमीन और खेतों की जब्ती जैसी घटनाएं हो रही हैं।

दरअसल, ट्रम्प प्रशासन लंबे समय से दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकानर किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लगाता रहा है। प्रशासन ने शरणार्थियों की वार्षिक संख्या घटाकर 7,500 कर दी थी और कहा था कि इनमें से ज्यादातर ÷दक्षिण अफ्रीका के श्वेत नागरिक÷ होंगे, जिन्हें अपने देश में हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने आरोपों को किया खारिज : हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा था कि उन्होंने ट्रंप को बताया है कि अफ्रीकानर्स पर अत्याचार की सारी खबरें पूरी तरह झूठी हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में श्वेत नागरिकों का जीवन स्तर अब भी देश के अश्वेत नागरिकों की तुलना में कहीं बेहतर हैं। फिर भी प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीकी सरकार की आलोचना जारी रखी है। इस सप्ताह की शुरुआत में मियामी में एक भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 से बाहर कर दिया जाना चाहिए।

बीमारी वाले लोगों को नहीं मिलेगा अमेरिका का वीजा? ट्रंप ने अधिकारियों को भेजा संदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपनी वीजा नीति को लेकर नया नियम जारी किया है। इसके तहत कुछ बीमारियों से पीड़ित विदेशी नागरिकों को अब अमेरिका में वीजा नहीं मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को वीजा देने से मना किया जा सकता है। कारण है ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति भविष्य में सरकारी सहायता (पब्लिक बेनिफिट) पर निर्भर हो सकते हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से भेजे गए एक गुप्त संदेश (केबल) में वीजा अधिकारियों से कहा गया है कि वे आवेदनकर्ताओं की स्वास्थ्य स्थिति का गहराई से आकलन करें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाइडलाइन में कहा गया है कि हृदय रोग, श्वसन रोग, कैंसर, डायबिटीज, मेटाबॉलिक बीमारियां, न्यूरोलॉजिकल रोग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं जैसी स्थितियों में वीजा रद्द या अस्वीकार किया जा सकता है। इसमें मोटापा को भी शामिल किया गया है, क्योंकि इससे अस्थमा, नींद में रुकावट और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

क्या कहते है ट्रंप प्रशासन नए निर्देश, समझिए : बात अगर नए निर्देशों की करे तो, इसके तहत वीजा अधिकारियों को यह तय करने को कहा गया है कि क्या कोई व्यक्ति अपने इलाज का खर्च खुद उठा सकता है या उसे अमेरिका सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी। क्या आवेदक के पास इतनी आर्थिक क्षमता है कि वह अपनी पूरी उम्र के इलाज का खर्च खुद उठा सके, बिना किसी सरकारी सहायता के? केबल में यह सवाल पूछा गया है।

इस गाइडलाइन के मुताबिक, अब

आवेदक के परिवार के सदस्यों की सेहत भी वीजा प्रक्रिया में देखी जाएगी। संदेश में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि अगर परिवार में किसी को गंभीर बीमारी या दिव्यांगता है, जिससे आवेदक को काम छोड़कर देखभाल करनी पड़े, तो इसे भी निर्णय में शामिल किया जाए।

कानूनी विशेषज्ञों ने इस नीति को बताया चिंताजनक : हालांकि ट्रंप प्रशासन की इस वीजा नीति को लेकर बातचीत भी तेज हो गई है। कैथोलिक लीगल इमिग्रेशन नेटवर्क के वरिष्ठ वकील चार्ल्स व्हीलर ने कहा कि वीजा अधिकारी चिकित्सक नहीं होते, इसलिए वे किसी की बीमारी या उसके भविष्य के प्रभावों का सही अनुमान नहीं लगा सकते। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की इमिग्रेशन वकील सोफिया जेनोवेज ने कहा कि इस नीति से अधिकारी और डॉक्टर दोनों पर यह दबाव बढ़ जाएगा कि वे आवेदकों की बीमारी के खर्च और रोजगार पाने की क्षमता को लेकर अनुमान लगाएं। उन्होंने कहा कि अगर किसी का डायबिटीज या हार्ट की बीमारी का इतिहास है, तो इस पर इतना गहराई से विचार करना बेहद व्यापक कदम है। इससे वीजा प्रक्रिया और भी कठिन हो जाएगी।

ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वालों पर पड़ेगा प्रभाव : इसके साथ ही विशेषज्ञों का ये भी कहना है कि यह नीति मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करेगी जो अमेरिका में स्थायी रूप से बसने (ग्रीन कार्ड) के लिए आवेदन करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन की यह नीति इमिग्रेशन पर बढ़ती सख्ती का हिस्सा है, जिसमें अब स्वास्थ्य को भी वीज़ा प्रक्रिया का अहम पैमाना बना दिया गया है।

आखिरकार ट्रॉफी को छूने का मौका मिला: सीरीज जीत के बाद सूर्यकुमार का एशिया कप विवाद पर मजेदार तंज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां टी20 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, लेकिन भारतीय टीम ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच के बाद जब कप्तान सूर्यकुमार यादव को ट्रॉफी सौंपी गई, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, आखिरकार ट्रॉफी को हाथ में लेने का एहसास बहुत अच्छा लग रहा है।

उनकी इस टिप्पणी को सुनकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, क्योंकि यह बात एशिया कप 2025 विवाद से जोड़कर देखी जा रही है।

सितंबर में खेले गए एशिया कप टी20 फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसकी वजह थी नकवी का भारत-विरोधी रवैया। परिणामस्वरूप, भारत ने ट्रॉफी अपने हाथों में नहीं ली और अब तक विजेता ट्रॉफी भारत को औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीत के बाद सूर्या ने न सिर्फ टीम की सराहना की बल्कि एक हल्के-फुल्के अंदाज में पिछले विवाद पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, 'महिलाओं की वर्ल्ड कप ट्रॉफी हाल ही में भारत लौटी है, और अब हमारी टीम को भी ट्रॉफी थामने का मौका मिला है। वाकई अच्छा लग रहा है।'

उनकी इस बात पर टीम के साथी खिलाड़ी और फैंस दोनों मुस्कराए। सोशल मीडिया पर भी यह बयान तेजी से वायरल हो गया।

दुबई में आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच अनौपचारिक बैठक हुई। सैकिया ने बताया, 'यह बातचीत सकारात्मक रही। दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल में मिले और उम्मीद है कि ट्रॉफी विवाद का समाधान जल्द निकल जाएगा।' सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में यह मुद्दा सुलझने की पूरी संभावना है।

सूर्यकुमार ने टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की और कहा कि युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, 'हर कोई अपनी भूमिका समझता है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और आने वाले टूर्नामेंट में हम यही जोश बनाए रखना चाहते हैं।'

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड: फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने रचा इतिहास, 1 घंटे में लगाए इतने पुश-अप्स!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 'पुश-अप मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने एक नया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत की फिटनेस स्पिरिट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

रोहताश ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में '60 पाउंड वजन के साथ एक घंटे में सबसे ज्यादा पुश-अप्स' करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने एक घंटे में 847 पुश-अप्स पूरे किए, जिससे उन्होंने सीरिया के 820 पुश-अप्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

गिनीज़ की आधिकारिक टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की। यह उपलब्धि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित कार्यक्रम में हासिल की गई, जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल है।

कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर रोहताश को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'रोहताश चौधरी फिट इंडिया भावना के सच्चे प्रतीक हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं।'

रोहताश ने अपनी सफलता को भारतीय सेना और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित करते हुए कहा, ''पिछले साल मैंने एक पैर पर 704 पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया था, जो प्रधानमंत्री को समर्पित किया। आज का रिकॉर्ड मैं हमारे सैनिकों और राष्ट्र की एकता को समर्पित करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने 'संडे ऑन साइकिल' जैसे अभियानों के ज़रिए देशभर में फिटनेस को एक सामाजिक आंदोलन बना दिया है। इस मौके पर हजारों स्कूली बच्चे, फिटनेस प्रेमी और फिट इंडिया एंबेसडर स्टेडियम में मौजूद रहे और रोहताश के इस अद्भुत प्रदर्शन का गवाह बने।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

–आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके।

भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

बुमराह से भी ज्यादा कीमती हैं भारत का ये मिस्ट्री स्पिनर: पूर्व सीएसके स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में 2-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और इस जीत के असली हीरो रहे मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती। पांच मैचों की इस सीरीज में वरुण ने पांच विकेट झटके और अपनी सटीक गेंदबाज़ी से कंगारू बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुब्रह्मण्यम बद्रीनाथ ने वरुण की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि वह इस वक्त भारत के 'सबसे कीमती' खिलाड़ी हैं – यहां तक कि जसप्रीत बुमराह से भी अधिक। बद्रीनाथ ने कहा, 'नंबर बताते हैं कि वरुण चक्रवर्ती इस समय दुनिया के नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं।

जब रन तेजी से बन रहे हों, चाहे वो पावरप्ले हो या डेथ ओवर्स, वरुण वो गेंदबाज़ हैं जिन पर कप्तान भरोसा करता है। उन्होंने अपने खेल में गजब का सुधार किया है और अब वो पूरी तरह से मैच-विनर बन चुके हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वरुण की वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है, पहले फिटनेस की वजह से टीम से बाहर होना और अब दमदार कमबैक करना। 'ये उनका दूसरा फेज है और उन्होंने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। वो सिर्फ टीम इंडिया की संपत्ति नहीं बल्कि एक 'हथियार' हैं। आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की सफलता काफी हद तक इस स्पिनर के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।' सीरीज के दौरान वरुण का इकॉनमी रेट 6.83 और औसत 16.40 रहा, जबकि बुमराह ने पांच मैचों में केवल तीन विकेट झटके। वरुण फिलहाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज हैं।

इरफान पठान की चेतावनी : टी20 के शीर्ष खिलाड़ी को हर गेंद पर आक्रामक न खेलने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को उनकी 'ट्रेडमार्क शॉट' रणनीति पर सावधानी बरतने की सलाह दी है। पठान का मानना है कि अगर अभिषेक हर गेंद पर क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश जारी रखते हैं, तो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीमें उनकी रणनीति को भांप सकती हैं। अभिषेक शर्मा इस समय भारत की टी20 टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में सर्वाधिक रन बनाकर भारत को खिताबी जीत दिलाई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी 163 रन बनाते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता। इरफान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अभिषेक शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें समझदारी दिखानी होगी। वर्ल्ड कप में टीमें पहले से तैयार रहेंगी। हर गेंद पर क्रीज छोड़कर शॉट खेलने का मतलब नहीं बनता, उन्हें चुनिंदा गेंदों पर अटैक करना चाहिए।' पठान ने यह भी बताया कि ब्रिसबेन में हुए आखिरी टी20 में अभिषेक नाथन एलिस और बेन ड्वार्शुइस की गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस पर अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से बात करेंगे।

भारत ए / साउथ अफ्रीका ए : टीम इंडिया की बढ़ी चिंता, स्टार तेज गेंदबाज ने चोटिल होकर मैदान छोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज रविवार को साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन हाथ में चोट लगने के बाद मैदान छोड़कर बाहर चले गए। सिराज फील्डिंग के दौरान अपने दाएं हाथ पर चोट लगा बैठे, जिसके बाद उन्हें दर्द में डगआउट लौटना पड़ा। टीम इंडिया 'ए' के लिए यह सीरीज़ साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है।

सिराज की यह चोट चिंताजनक है क्योंकि भारत का मुख्य दौरा अब से एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, चोट सिराज के बॉलिंग हैंड पर लगी है और टीम फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। फिलहाल बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है, लेकिन अगर सिराज फिट नहीं होते हैं, तो आकाश दीप को उनका रिप्लेसमेंट माना जा रहा है। सिराज भारत के लिए जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरे प्रमुख तेज गेंदबाज़ हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल की जोड़ी भी चर्चा में है। जुरेल ने इस सीरीज़ में दो शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है, और संभावना है कि वे पहले टेस्ट में पंत के साथ प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनें।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी : 2026 में भी खेलेंगे 'कैप्टन कूल', चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने की पुष्टि,

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कहा है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, 'यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी। 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं। उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो गई है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे। धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

रणजी ट्रॉफी: 8 छक्के और सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक, मेघालय के इस बल्लेबाज ने तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ महज 11 गेंदों में अर्धशतक जमाकर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज़ पचासा लगाने का नया रिकॉर्ड बना दिया। इस दौरान उन्होंने 8 गगनचुंबी छक्के जड़े और अपनी पारी से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यह रिकॉर्ड तोड़ पारी दूसरे दिन खेली गई, जब मेघालय की टीम पहले से ही मजबूत स्थिति में थी। राहुल दलाल (144 रन) के आउट होने के बाद आकाश बल्लेबाजी करने उतरे और आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़े। उन्होंने स्वस्तिक चेतरी के साथ मिलकर 52 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 628/6 तक पहुंचा दिया, जिसके बाद मेघालय ने पारी घोषित कर दी। आकाश की स्ट्राइक रेट 300 से भी ज्यादा रही। उन्होंने अरुणाचल के थके हुए गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया और दर्शकों को टी20 जैसी बल्लेबाजी का मज़ा दिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड 2012 में इंग्लैंड के वेन व्हाइट के नाम था, जिन्होंने 12 गेंदों में पचासा जड़ा था। लेकिन अब आकाश कुमार ने उसे पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रचा है।

25 वर्षीय आकाश ने अब तक 30 फर्स्ट क्लास मैचों में 503 रन बनाए हैं और 87 विकेट भी चटकाए हैं। गेंदबाजी में ज्यादा प्रभावी माने जाने वाले आकाश ने इस सीज़न में बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है।

मार्क वुड बोले - ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है।

वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है।' लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा।' पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, और वुड इस मैदान पर खेलने को लेकर खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ÷पर्थ का विकेट तेज और उछाल भरा है, और मैं इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। 2022 टी20 विश्व कप के दौरान मैंने यहां गेंदबाजी की थी और अनुभव शानदार रहा था।'

हालांकि इंग्लैंड को इस बार ज्यादा अभ्यास मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वुड इससे चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जैसा कार्यक्रम है, उससे मैं खुश हूं। भारत के खिलाफ पिछली सीरीज से पहले भी हमने ज्यादा अभ्यास नहीं किया था, फिर भी पहला टेस्ट जीतने में सफल रहे थे।

एथेंस ओपन : नोवाक जोकोविच ने जीता करियर का 101वां खिताब

एथेंस। सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में आयोजित हेलैनिक चैम्पियनशिप का खिताब जीतकर अपने करियर का 101वां टाइटल अपने नाम किया। 38 वर्षीय जोकोविच ने रोमांचक फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। तीन घंटे चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार जुझारूपन दिखाया। निर्णायक सेट में ही पांच बार सर्विस ब्रेक हुए और 13 ब्रेक पॉइंट बने। इस जीत के साथ जोकोविच ने हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें खिताब के साथ रोजर फेडरर को पछाड़ते हुए ओपन एरा में सबसे ज्यादा हार्ड कोर्ट खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'यह जीत ग्रीस के शानदार लोगों को समर्पित है। आपने हमेशा मेरा समर्थन किया और मुझे घर जैसा महसूस कराया।' हालांकि, फाइनल के तुरंत बाद चोट के चलते जोकोविच ने ATP फाइनल्स से नाम वापस ले लिया। उनकी जगह अब लोरेंजो मुसेटी ट्यूरिन में सीज़न फिनाले में खेलेंगे, जो उनके करियर का पहला ATPफाइनल्स होगा। जोकोविच ने बयान जारी कर कहा, 'मैं ट्यूरिन में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित था, लेकिन चोट के कारण अब मुझे हटना पड़ रहा है। सभी फैंस का धन्यवाद, मैं जल्द कोर्ट पर वापसी करूंगा।'

अब घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू मैदान पर टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच 14 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज कोलकाता में शुरु होगी। वहीं दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। इसका पहला मैच रांची में 30 नवंबर जबकि दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में वहीं अंतिम एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

दोनो ही टीमों के बीच 9 दिसंबर से कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा व 14 दिसंबर को धर्मशाला में तीसरा मैच खेला जाएगा। 17 दिसंबर को लखनऊ में चौथा टी20 मैच होगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में पांचवां मुकाबला होगा। ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शुभमन गिल की कप्तानी में टीम घोषित कर दी है। चोट से उबर कर वापसी कर रहे ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान करेंगे। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल रहेंगे जबकि तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए बेहद अहम रहेगी। एकदिवसीय के लिए भी शुभमन ही कप्तानी रहेंगे पर टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालेंगे।

टेस्ट टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

–शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं।

वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप

खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा - चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा – चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा –एक साल पहले मुझे 'कांतारा – चैप्टर 1' का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है – सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन–रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा- ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विज़न मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।

उन्होंने होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम – विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज़ का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया। और सफर अभी शुरू ही हुआ है। कांतारा – चैप्टर 1 के बाद रुक्मिणी अब दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नज़र आएंगी – रॉकिंग स्टार यश के साथ टॉक्सिक और प्रशांत नील की एनटीआर जूनियर वाली मेगा फिल्म में।

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग–अलग जॉनर में — चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा — उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैन–बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेज़ी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

'परफेक्ट कपल 2' में नजर आएंगे ईशान खट्टर

ईशान खट्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में सीरीज 'परफेक्ट कपल' की अपनी एक को–एक्ट्रेस के साथ फोटो शेयर किया। इस फोटो के शेयर करते हुए, उस पर कैप्शन लिखा, 'सीजन टू?' आगे लिखा, 'परफेक्ट कपल मिल गया।' शो के मेकर्स को भी ईशान खट्टर ने यह पोस्ट टैग की है। ईशान खट्टर अपनी पोस्ट के जरिए मेकर्स को हिंट दे रहे हैं कि सीरीज 'परफेक्ट कपल 2' करना चाहते हैं। यही ख्वाहिश उनकी को–एक्ट्रेस की भी है। बताते चलें कि अमेरिकन सीरीज 'परफेक्ट कपल(2024)' में ईशान का रोल ज्यादा बड़ा नहीं था, फिर भी वह दर्शकों को याद रह गए। इस मर्डर मिस्ट्री सीरीज को सुजैन बियर ने निर्देशित किया था। निकोल किडमैन जैसी हॉलीवुड की नामी एक्ट्रेस के साथ ईशान को एक्टिंग करने का मौका सीरीज 'परफेक्ट कपल' में मिला। ईशान सीरीज में एक शूटर के रोल में थे।

इन सीरीज में भी दिखे ईशान खट्टर

सिर्फ 'परफेक्ट कपल' सीरीज में ही ईशान खट्टर ने अभिनय नहीं किया है, उन्होंने मीरा नायर निर्देशित वेब सीरीज 'सूटेबल ब्वॉय' में भी काम किया है। इसके अलावा वह भूमि पेडनेकर के साथ सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आ चुके हैं।

शशांक खैतान ने दिया दुल्हनिया 3 पर अपडेट

बॉलीवुड में नई पीढ़ी की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक आलिया भट्ट और वरुण धवन की जोड़ी फिर से पर्दे पर वापसी करेगी या नहीं, इस सवाल का जवाब हर फैन पिछले कई वर्षों से तलाश रहा है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों के बाद दर्शक लंबे समय से इस सीरीज के तीसरे पार्ट 'दुल्हनिया 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब इस पर निर्देशक शशांक खैतान ने बड़ा अपडेट दिया है।

हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में शशांक खैतान ने कहा, हम सब चाहते हैं कि 'दुल्हनिया 3' बने। चाहे मैं हूं, आलिया हो या वरुण– सभी इस फ्रेंचाइज से जुड़े हैं। लेकिन अभी तक हमें वो सही कहानी नहीं मिली है, जो हमें और दर्शकों को संतुष्ट कर सके। उन्होंने साफ किया कि टीम लगातार आइडिया पर बातचीत कर रही है लेकिन अब तक कोई ठोस प्लान तैयार नहीं हुआ है। शशांक ने यह भी कहा कि दुल्हनिया सीरीज को मिली जबरदस्त मोहब्बत को देखते हुए वे जल्दबाजी में फिल्म बनाकर दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते।

सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि कहानी मायने रखती है

निर्देशक के मुताबिक, किसी भी सफल फ्रेंचाइज का अगला पार्ट तभी बनाया जाना चाहिए जब उसके पास बताने के लिए एक मज़बूत और मजेदार कहानी हो। उनका कहना है कि दुल्हनिया 3 तभी आएगी जब टीम को लगेगा कि यह कहानी पिछले दोनों पार्ट्स से भी ज्यादा असरदार और मनोरंजक है।

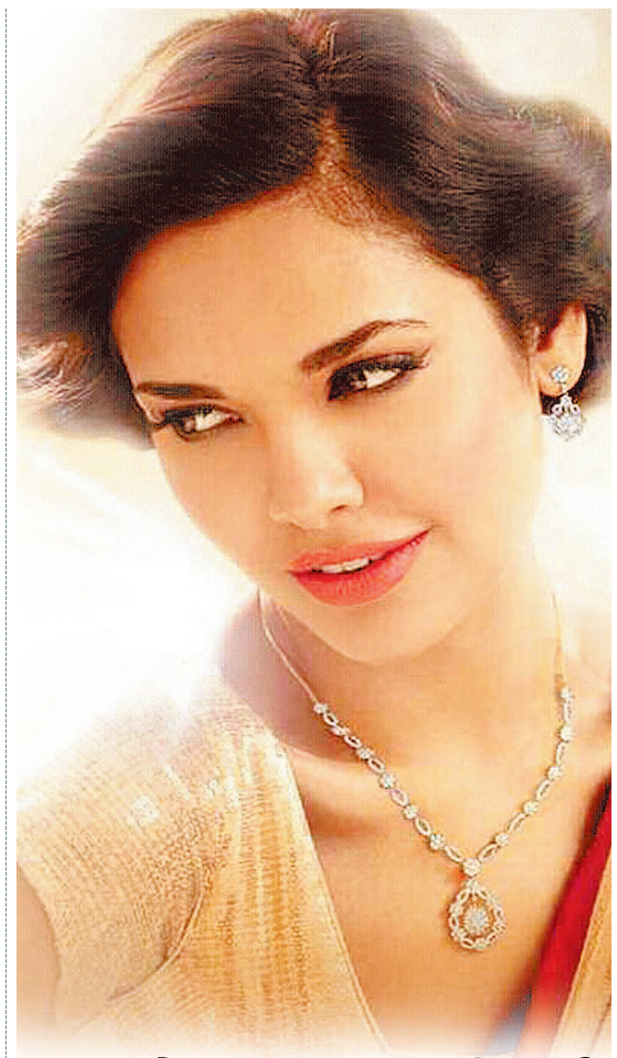

मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग–लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज़्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है। जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही धमाल 4 में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी। इसमें दो राय नहीं है कि जन्नत 2 से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार–बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

मैं हमेशा सोच-समझकर ही रोल्स चुनता हूं

अभिनेता विशाल जेठवा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड में मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म और उनके अभिनय को क्रिटिक्स ने खूब सराहा। अभिनेता से उनके अब तक के सफर पर खास बातचीत की...

'होमबाउंड' के लिए ऑडिशन का सफर आपके लिए कैसा रहा?

पहले मैंने शोएब के रोल के लिए ऑडिशन दिया था, पर उसमें मेरा चयन नहीं हुआ। बाद में चंदन का किरदार मिला और तीन राउंड ऑडिशन देने के बाद, मेरी मेहनत रंग लाई। धर्मा के ऑफिस में मेरी और ईशान खट्टर की केमिस्ट्री देखकर तय हुआ कि मैं चंदन के लिए सही पसंद हूं।

होमबाउंड देखने के बाद आपको सबसे बड़ा संदेश क्या मिला?

इस फिल्म को देखकर मुझे लगा कि यह सिर्फ कहानी नहीं है, बल्कि समाज की असलियत दिखाती है। यह हमें बताती है कि हमारे आस–पास भेदभाव, छोटे–छोटे झुकाव और दूसरों को कम आंकने जैसी चीजें रोज होती रहती हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म ने मुझे यह सोचने पर मजबूर किया कि किसी भी बात को सिर्फ अपनी नजर से सही या गलत नहीं ठहराया जा सकता। बदलाव तभी आता है, जब हम दूसरों की सोच समझें और उनके साथ खुलकर बात करें। यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि सोचने और संवाद करने की प्रेरणा देती है।

शुरुआत में बॉलीवुड में फिट न होने का एहसास कैसा था?

शुरुआत में मुझे लगता था कि मैं बॉलीवुड में फिट नहीं हूं। बाकी लोग आसानी से सब संभाल लेते हैं। उनकी भाषा, अंदाज और कॉन्फिडेंस और मैं उनके सामने खुद को सही तरीके से दिखा नहीं पा रहा था। मैं उनके हिसाब से खुद को कम समझता था और कभी–कभी मिसफिट सा महसूस करता था। लेकिन धीरे–धीरे मुझे एहसास हुआ कि मैं अलग नहीं हूं। मैंने खुद को जैसे हूं, वैसे स्वीकार कर लिया। जब मैंने खुद को एक्सेप्ट किया, तो दोस्तों और सोशल मीडिया से भी सपोर्ट मिला। मुझे समझ आया कि अपनी पहचान को अपनाना ही सबसे बड़ी जीत है। अब मैं अपने आप पर गर्व महसूस करता हूं। मैं खुश हूं कि मैंने अपने तरीके से खुद को अपनाया।

कोई ऐसा सीन जो आपकी असली जिंदगी से जुड़ता हो?

शूटिंग के दौरान कई बार मुझे अपने किरदार से जुड़ने का मौका मिला और कुछ सीन मेरे असली अनुभवों को दर्शाते थे। मैंने अपनी पहचान को स्वीकार करना सीखा, लेकिन शुरुआत में मुझे एहसास नहीं था कि यह प्रक्रिया मेरे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण होगी। मेरे किरदार के कुछ पहलू ऐसे थे, जिन्हें मैं पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पा रहा था। बिल्कुल वैसे ही जैसे असली जिंदगी में कभी–कभी हम खुद को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाते।

बड़े ऑफर्स के बावजूद आप कोई किरदार कैसे चुनते हैं?

सच कहूं तो, मुझे फिल्मों में ऑफर्स आते रहे, लेकिन मैं हमेशा सोच–समझकर ही रोल्स चुनता हूं। कई फिल्म्स गंभीर और इंटेंस सब्जेक्ट्स पर होती हैं, तो शायद उन्हें लगता था कि मैं सेफ चॉइस हूं। लेकिन मैं चाहता था कि अपने काम में एक्सपेरिमेंट करूं। इस फिल्म में भी शुरुआत में डर था, क्योंकि रोल डिमांडिंग था, लेकिन सलाम वेंकी में मैंने अलग अवतार में काम करके लोगों को अपनी काबिलियत दिखाई थी। इस प्रोसेस ने मुझे यह सिखाया कि एक एक्टर को सिर्फ टाइपकास्ट नहीं होना चाहिए। मीडियम चाहे टीवी हो या फिल्म, हमें हमेशा एक्टिंग के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

ईशान और जान्हवी के साथ काम का सबसे यादगार पल कौन सा रहा?

ईशान और जान्हवी के साथ काम करना बहुत शानदार अनुभव रहा। उनकी परवरिश और जीवन मेरे से काफी अलग हैं, लेकिन उन्होंने मेरे नजरिए का पूरा सम्मान किया। इससे मुझे यह समझ में आया कि किसी की अलग जर्नी होने का मतलब यह नहीं कि काम हमेशा मुश्किल या दबाव भरा है। हम सहज होकर काम कर पाए और एक–दूसरे को सपोर्ट करते रहे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।